वर्षः 7- अंकः 177, मुंबई, शुक्रवार, 8 सितंबर, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

पुलिस अफसर की बेटी का गैंगरेप-कर मर्डर

दो पर केस दर्ज, एक की भूमिका की होगी जांच

अंबरनाथ के पुलिस कमिश्नर सुनील पाटिल ने कहा, निखिलेश और अक्षय पर गैंगरेप, मर्डर, सबूत मिटाने की धराओं में केस दर्ज किया गया है। इस मामले में नीलेश के रोल की भी जांच की जा रही है, जिसकी कार में विक्टिम की बॉडी ले जाई गई। इस केस की जांच के लिए 4 टीमें बनाई गई हैं।

दो आरोपी ने किया सरेंडर

अक्षय और निखिलेश ने गोवा जाते वक्त बॉडी फेंक दी। तब नीलेश को पता चला कि उन्होंने लड़की के साथ गैंगरेप किया और उसका मर्डर कर दिया। पुलिस के मुताबिक, नीलेश ने जब उन लोगों को पुलिस का डर दिखाया तो उन्होंने सरेंडर कर दिया।

ठाणे। नागपुर के असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर (एपीआई) की बेटी के साथ दो लड़कों ने अंबरनाथ में गैंगरेप किया। जब लड़की ने पुलिस में शिकायत करने की बात कही तो उसका मर्डर कर दिया और बॉडी अंबरनाथ से 400 किलोमीटर दूर कर्नाटक के बेलगांव जिले में फेंक दी। मामला तब सामने आया, जब इन लड़कों ने अपने एक दोस्त के सामने रेप और मर्डर की बात कबूल की। दोस्त के कहने पर दोनों आरोपियों ने रत्नागिरी पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

कहां मिली बॉडी? : *कर्नाटक के ककटी पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर रमेश गोकक ने बताया, बैग बेलकावी से 17 किलोमीटर दूर रानी चिन्नम्मा यूनिवर्सिटी के पास मिला। बैग नेशनल हाईवे और सर्विस रोड के बीच फेंका गया था।*

ओशिवरा का हीरा पन्ना मॉल मामला

MRP हुक्का लांज होगा बंद

सोसायटी ने दिया लिखित आदेश

अजोय मेहता
मनपा आयुक्त

दत्तात्रय पडसलगिकर
मुं. पुलिस कमिश्नर

मुंबई पुलिस आयुक्त दत्तात्रय पडसलगिकर और मनपा आयुक्त अजोय मेहता से दैनिक मुंबई हलचल और शहर की सामाजिक संस्थाओं की अपील है कि वे ओशिवरा के ओम हीरा पन्ना मॉल के टेरिस पर चल रहे अवैध MRP हुक्का लांज और मॉल के बगल में चल रहे द ढाबा होटल के मालिक द्वारा गटर के ऊ पर और ओपन स्पेस पर अतिक्रमण करके उसके अवैध बांधकाम की जांच कराकर इनके खिलाफ COPTA और MRPT के तहत कार्रवाई का आदेश संबंधित अधिकारियों को दिया जाये ताकि देश की युवा पीढी बरबाद होने से बच सके और अवैध बांधकाम पर नियंत्रण किया जा सके।

ओम हीरा पन्ना के टेरिस पर चल रहा अवैध MRP हुक्का लांज का दृश्य

द ढाबा होटल के ओपन स्पेस पर अतिक्रमण करके बना अवैध बांधकाम

मुंबई। अंधेरी पश्चिम के ओशिवरा इलाके में बनें ओम हीरा पन्ना मॉल के टेरिस पर चल रहे अवैध MRP हुक्का लांज के बारे में दैनिक मुंबई हलचल में खबर छपने के बाद पुलिस और बीएमसी की आंखें तो नहीं खुलीं लेकिन ओम हीरा पन्ना मॉल की सोसायटी जरूर हरकत में आ गई है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

शुध्द घी में बना
केसरीया मलाई घेवर
MM MITHAIWALA
MALAD (W),TEL.: 288 99 501

1993 ब्लास्ट मामला

मुंबई को मिला इंसाफ

मुंबई। 24 साल पुराने मुंबई ब्लास्ट केस में गुरुवार को जैसे ही कोर्ट में सजा सुनाई गई, दोषियों के चेहरे उतर गए। अबू सलेम, करीमउल्ला शेख को उम्रकैद और ताहिर मर्चेंट, फिरोज अब्दुल राशिद खान को मौत की सजा सुनाई गई। इनके अलावा रियाज सिद्दीकी को 10 साल की सजा सुनाई गई। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रेलवे ने क्रिकेटर हरमनप्रीत कौर को प्रदान की आउट ऑफ टर्न पदोन्नति

मुंबई। महिला क्रिकेट विश्व कप 2017 में अपनी 171 रनों की नाबाद पारी की बदौलत भारत को फाइनल में पहुँचाकर सुश्री हरमनप्रीत कौर सुर्खियों में आई थीं। हाल ही में सम्पन्न महिला क्रिकेट विश्व कम में सुश्री हरमनप्रीत के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए रेल मंत्रालय ने उन्हें पदोन्नति प्रदान करते हुए पश्चिम रेलवे में ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी के रूप में ग्रुप बी राजपत्रित पद प्रदान किया है।

सुश्री हरमनप्रीत कौर ने बड़े शॉट लगाने की क्षमता के साथ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वर्ष 2009 में पाकिस्तान के विरुद्ध पदार्पण किया था। खेल के प्रति उनके इस समर्पण के कारण ही वे अपने पहले ही मैच से भारत के लिए शानदार प्रदर्शन करती आई हैं तथा यह सिलसिला अभी भी जारी है। महिला विश्व कप क्रिकेट में सुश्री हरमनप्रीत द्वारा नाबाद171 रनों की पारी महिला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी भारतीय की ओर से खेली गई दूसरी सबसे बड़ी पारी है। साथ ही सुश्री कौर द्वारा खेली गई इस पारी को महिला क्रिकेट विश्व कप इतिहास में किसी भी भारतीय द्वारा बनाया गया सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का भी रिकॉर्ड प्राप्त है। सुश्री कौर 8 मई, 2014 से पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल में कार्यालय अधीक्षक के रूप में कार्यरत हैं। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री ए. के. गुप्ता एवं वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं पश्चिम रेलवे खेलकूद संगठन के अध्यक्ष श्री राजकुमार लाल ने सुश्री कौर के शानदान खेल एवं उन्हें ओएसडी/स्पोर्ट्स के रूप में पदोन्नति पर बधाई दी है। सुश्री कौर एक ऑल राउन्डर हैं, जिन्होंने अपनी सशक्त बैटिंग,बॉलिंग के साथ-साथ शानदार फील्डिंग के साथ भारतीय क्रिकेट टीम में अपनी जगह बनाई है। श्री गुप्ता ने कहा कि सुश्री हरमनप्रीत सभी खिलाड़ियों, विशेषतः महिलाओं के लिए एक प्रेरणास्रोत हैं। उल्लेखनीय है कि सुश्री हरमनप्रीत की शानदार उपलब्धि को देखते हुए युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उन्हें वर्ष 2017 में क्रिकेट खेल हेतु प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।

बांद्रा स्थित माउंट मेरी मेला के लिए बेस्ट चलाएगी अधिक बसें

मुंबई। बांद्रा स्थित माउंट मेरी में प्रतिवर्ष एक सप्ताह का मेला आयोजित किया जाता है । इस वर्ष 10 सितंबर से माउंट मेरी मेला शुरू होना है । जिसमे बड़ी संख्या में श्रद्धालु जाते है । इन श्रद्धालुओं की भीड़ व उनकी सुविधा को देखते हुए बेस्ट प्रशासन ने 358 अधिक बेस्ट बसे चलाने का निर्णय लिया है । जिसके अनुसार सुबह में 165 व शाम में लगभग193 बसे चलाई जाएंगी । गौरतलब है कि बांद्रा स्थित माउंट मेरी में प्रतिवर्ष मेला लगता है । यह मेला एक सप्ताह का होता है । इस वर्ष इस मेले की शुरूआत 10 सितंबर से होगी और खत्म 17 सितंबर को होगा । इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां जाते है । जिससे होने वाली भीड़ से निपटने व श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बेस्ट प्रशासन ने लगभग 338 अधिक बेस्ट बसे चलाने का निर्णय लिया है । जिसमे से 165 बसे सुबह के समय व 193 बसे शाम के दौरान चलाई जाएंगी । प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 सितंबर रविवार

को सुबह 25 व शाम में 23, सोमवार 11 सितंबर को सुबह 12 व शाम को 16, मंगलवार 12 सितंबर को सुबह 12 व शाम को 16, बुधवार 13 सितम्बर को सुबह 17 व शाम को 21 ,गुरुवार 14 सितंबर को सुबह 12 व शाम को 16 , शुक्रवार 15 सितंबर को सुबह 17 व शाम को 21, शनिवार 16 सितंबर को सुबह 28 व शाम को 28, रविवार 17 सितंबर को सुबह 42 शाम को 52 बसें चलाई जाएंगी । बांद्रा स्टेशन (पश्चिम) से हिलरोड (मेहबूब स्टूडियो) के बीच ये अधिक बसे चलाई जाएंगी

14 माह के ब्रेन डेड बच्चे के अंगदान ने बचाई एक जान

मुंबई। सूरत में एक दंपती ने अपने चौदह माह के ब्रेन डेड बच्चे के हृदय समेत महत्वपूर्ण अंग दान कर समाज के सामने उदाहरण पेश किया है। इस अंगदान से मुंबई में साढ़े तीन साल की एक बच्ची को नया जीवन मिला है। मुंबई के फोर्टिस अस्पताल का दावा है कि पश्चिमी भारत में अंगदान करने वाला यह सबसे छोटा बच्चा है। यह बच्चा खेलते समय गिर गया था। उसे तुरंत सूरत के न्यू सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया। ब्रेन डेड की अवस्था में मस्तिष्क काम करना बंद कर देता है, लेकिन शरीर के अन्य अंग काम कर रहे होते हैं। एक स्थानीय एनजीओ ने बच्चे के माता-पिता को अंगदान के लिए राजी किया। अंगदान के बाद बच्चे की किडनी अहमदाबाद के इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिजीज एंड रिसर्च सेंटर भेजी गई। उसके हृदय को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर निजी फ्लाइट से मुम्बई के उपनगरीय इलाके मुलुंड के फोर्टिस अस्पताल लाया गया। जहां इस हृदय को नवी मुंबई के कलामबोली इलाके में रहने वाली बच्ची को प्रत्यारोपित किया गया। यह बच्ची डाइलेटिड कार्डियोमायोपेथी (ऐसी स्थिति जिसमें हृदय के रक्त पंप करने की क्षमता घट जाती है) से पीड़ित थी और उसे अगस्त, 2016 से हृदय प्रत्यारोपण का इंतजार था।

मंत्री-दो बाबुओं के बच्चों को सरकारी वजीफा

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की जनता से सरकारी छूट त्यागने की गुहार लगा रहे हैं, वहीं फडणवीस सरकार के मंत्री राजकुमार बडोले और दो प्रशासनिक अधिकारी सरकारी सुविधा का फायदा अपने बेटे-बेटियों को दिला रहे हैं। इस मामले में कांग्रेस ने फडणवीस सरकार की पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं। आलोचना के बाद विभाग ने सफाई दी है कि शीर्ष 100 विश्वविद्यालय की रैंकिंग में आने पर सरकारी वजीफा नियमावली में आय की सीमा कोई मायने नहीं रखती।

इस साल वजीफे के लिए अनुसूचित जाति के 35 छात्रों का चयन किया गया। लाभार्थियों में राज्य सरकार के सामाजिक न्याय मंत्री राजकुमार बड़ोले की बेटी श्रुति, बडोले के ही विभाग के सचिव दिनेश वाघमारे के पुत्र अंतरिक्ष वाघमारे और उच्च व तकनीक शिक्षा विभाग के अधिकारी दयानंद मेश्राम के बेटे समीर मेश्राम का नाम शामिल

है। इन्हें विदेश में डिग्री हासिल करने के लिए वजीफे के तहत इकॉनमी श्रेणी से विमान का एक तरफ का किराया, शिक्षण शुल्क, भत्ते आदि प्रदान किए जाते हैं। यह लाभ अनुसूचित जाति के उसी परिवार के बच्चे को मिल सकता है, जिसके पिता की वार्षिक आय 6 लाख से कम हो जबकि राज्य में एक कैबिनेट मंत्री को 1 लाख 80 हजार से 2 लाख रुपये तक मासिक वेतन मिलता है और सचिव का वेतन भी अच्छा- खासा होता है। ऐसे में मंत्री और सचिव की मंशा पर उंगली उठाई जा रही है।

इस मामले पर कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता सचिन सावंत का कहना है, 'बीजेपी सरकार एक तरफ बड़ी-बड़ी बात करती है, दूसरी तरफ उसके मंत्री योजनाओं का गलत फायदा उठा रहे हैं।'

वहीं, सामाजिक न्याय मंत्री राजकुमार बडोले ने कहा, 'पुराने जीआर के अनुसार ही मेरी बेटी को वजीफा मिला है। उसके लिए नियम शिथिल नहीं किए गए हैं। मैं तो वजीफा समिति में भी नहीं था।'

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कूरियर ब्वॉय बनकर मचाई थी 35 लाख की लूट, एक गलती से पकड़े गए लुटेरे

पालघर। नालासोपारा के तुलींज इलाके में 15 दिन पहले एक फ्लैट से हुई 35 लाख की गुत्थी सुलझी है। पुलिस ने इस मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियो को पास से 18 लाख के आभूषण और 14 लाख रुरए नकद और एक कार भी जब्त की है। पुलिस के मुताबिक लूट को अंजाम देने वाला मुख्य आरोपी पीड़ित परिवार से परिचित है। और वह खुद मुंबई में एक बिल्डर है। पैसों की लालच में उसने इस वारदात को अंजाम दिया। उपविभागीय पुलिस अधिकारी राजतिलक रोशन के मुताबिक, वसई पूर्व के एव्हर शाइन स्थित स्काय हाईट्स 403 निवासी कमल किशोर आरोरा के घर 22 अगस्त की शाम 4 बजे 4 अज्ञात युवक कुरियर ब्वाय बनकर आये। घर में मौजूद उनकी

नौकरानी से कहा कि अंकल का कुरियर आया है। जैसे ही नौकरानी ने दरवाजा खोला तभी चारों ने उसे घर के अंदर धकेला। तमंचा निकालकर उसे बंधक बनाकर कर तिजोरी से 14 लाख नकदी व 18 लाख के आभूषण लेकर फरार हो गये। इसके बाद अरोरा परिवार के लोगों ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस धारा 395,452,120ब आर्म एक्ट 3,25 के तहत मामला दर्ज कर जाँच कर रही थी। घटनास्थल से मिले कुरियर बॉक्स पर लगे बारकोड से पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की और जिस दुकान से बॉक्स लिया गया था वहां से सीसीटीवी फुटेज में आरोपियों की पहचान की गई। सीसीटीवी फुटेज में चौंकाने वाला सच सामने आया। आरोरा परिवार से परिचित विजय प्रकाश आदमणे (32) भी वहां पर मौजूद दिखा। पुलिस ने उसे गोरेगांव से गिरफ्तार किया। उससे कड़ी पूछताछ करने पर अपने गुनाह को कबूल कर लिया और अन्य आरोपियों के नाम भी बताए। उसके साथी सागर शिवाजी सांडवे, योगेश अशोक शेड्गे, पुलकित उर्फ पप्पू ठाकुर, देवेन्द्र उर्फ कन्नू लक्ष्मण सांडवे व अरुण सदाशिव सुगावे को गिरफ्तार कर उनके पास से सारे आभूषण और नकदी बरामद की है।

जुर्म की दुनिया की कहानी, अबू सलेम की जुबानी

मुंबई। 1993 मुंबई बम ब्लास्ट केस में दोषी ठहराए जा चुके अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम की जुर्म की दुनिया में एंट्री की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। यूपी के आजमगढ़ की गलियों में खेलने वाला सलेम ने मुंबई में पैर जमाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान खोली। शुरूआत में उसने स्मगलिंग और अवैध उगाही से भी परहेज नहीं किया। इसी दौरान दाऊद इब्राहिम के गुर्गों से दोस्ती हुई और वह जुर्म की दुनिया में छा गया। लंबू कानूनी लड़ाई के बाद जब 2005 में अबू सलेम को पुर्तगाल से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था, तो उससे देश की कई एजेंसियों ने अलग-अलग केसों में पूछताछ की थी। नवीं पास अबू सलेम ने जांच अधिकारियों को बताया था कि वह मूल रूप से यूपी के आजमगढ़ का रहने वाला है। 1984 में काम की तलाश में वह अपने एक दोस्त शमी के साथ मुंबई आया था। उसका एक भाई, जिसका मालाड पश्चिम में होटल का बिजनस था, उसके जोगेश्वरी स्थित घर में वह करीब चार साल तक रहा था। सलेम ने 1986 में अंधेरी के एक शॉपिंग सेंटर में इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान खोली, जहां उसने सन 1992 तक कारोबार किया। उन दिनों माहिम का कोई अजीज इंपोर्टेड सामान के बिजनस से जुड़ा हुआ था। उसके आदमी बैंकॉक, हॉन्ग कॉन्ग, दुबई जाते थे।

अबू सलेम अजीज से सामान लेता था। सलेम के एक रिश्तेदार अब्दुल वकील सऊदी अरब में काम करते थे। वह 1992 में मुंबई आए। उन्होंने अंधेरी में हंसनाबाद लेन में पासपोर्ट एजेंट और जॉब रिक्रूटमेंट एजेंसी के तौर पर अपना बिजनस शुरू किया। उसी दौरान मेंहदी हसन, जो खुद एक पासपोर्ट एजेंट था, उसने अब्दुल वकील के साथ काम करना शुरू कर दिया। मेंहदी उन दिनों सलेम के पास भी आता- जाता रहता था।

अनीस के साले ने कराया परिचय

सन 1991 में गवली गैंग के शूटरों ने दाऊद इब्राहिम के बहनोई इब्राहिम पारकर का कत्ल कर दिया था। इब्राहिम के अंतिम संस्कार में अबू सलेम और रियाज सिद्दकी भी आए थे। वहां पर अनीस इब्राहिम के साले रहीम अंतुले ने सलेम और रियाज को एक दूसरे से मिलवाया था। उसके बाद सलेम के ऑफिस में रियाज नियमित आता जाता रहा। आरोप है कि जो हथियार व विस्फोटक अबू सलेम अजीज के साथ भरूच से लेकर आया था, उसे रियाज ने ही उपलब्ध कराया था।

गोल्ड, सिल्वर की तस्करी

सलेम के अनुसार, सन 1992-93 में अजीज गोल्ड और सिल्वर स्मगलिंग के अवैध धंधे में शामिल हो गया। सलेम उससे गोल्ड और सिल्वर खरीदने लगा और उन्हें कांदिवली, मालाड के दो व्यापारियों और अंधेरी की दो दुकानों में बेचने लगा। दिसंबर, 1992 के आखिरी सप्ताह में अजीज ने सलेम को सिल्वर लाने का लालच देकर भरूच चलने का ऑफर दिया और मेंहदी हसन व कुछ अन्य को भी अजीज ने अपने साथ रख लिया। अजीज सभी को पहले बताई गई जगह से करीब 50 किलोमीटर दूर ले गया। वहां अजीज को एक मारुति वैन दी गई। सलेम के अनुसार, उसने देखा कि गाड़ी में पीछे साइड नीचे की ओर कोई लकड़ी का बॉक्स रखा हुआ था। वह मानकर चल रहा था कि इस बॉक्स में सिल्वर रखा हुआ होगा, इसलिए उसने अजीज से कोई सवाल नहीं किया। सलेम के अनुसार, हम यह मारुति वैन लेकर अंधेरी में अपनी दुकान के पास आ गए। सलेम, ने जैसा कि जांच एजेंसियों का दावा है कि उन्हें बताया कि वहां कोई बाबा चव्हाण आया और इस मारुति वैन में उसे बैठाकर बांद्रा में हनीफ और समीर के पास ले गया। वहां से हनीफ इसी मारुति वैन में सभी को बैठाकर बांद्रा में संजय दत्त के बंगले ले गया। हनीफ और बाबा चव्हाण ने पेचकस से मारुति वैन में रखा बॉक्स खोला। सलेम के अनुसार, उस बॉक्स में 6 से 8 एके-47 राइफल्स दिख रही थीं। इन एके-47 को देखकर, उसने बाबा चव्हाण से पूछताछ की। जवाब में चव्हाण ने कहा कि तुम चिंता न करो। इन राइफल्स में से तीन संजय दत्त ने अपने पास रख लीं, जबकि शेष हनीफ, समीर व बाबा चव्हाण ने अपने पास सुरक्षित रखीं। उसके बाद जैसा कि जांच एजेंसियों का कहना है कि अजीज ने सलेम से मारुति वैन वापस करने को कहा, जो उसने कर दी। सलेम ने इसके बाद अजीज से उस सिल्वर (चांदी) के बारे में पूछा, जिसे दिलाने के बहाने वह उसे भरूच ले गया था, तो उसने 2-3 दिन में इसे देने का भरोसा दिया। उसी दिन, जैसा कि आरोप है, अजीज ने सलेम से कहा कि वह अगले दिन संजय दत्त के पास जाए और उससे दो एके-47 लेकर इन्हें जैबूनिशा नामक महिला को डिलिवर कर दे। उसके बाद जैसा कि अबू सलेम ने कहा कि वह अगले दिन हनीफ के पास गया और फिर उसके साथ संजय दत्त के बंगले गया। संजय दत्त ने एक बैग उन्हें (सलेम और हनीफ को) दिया, जिसमें दो एके -47 थीं। यह बैग बाद में जैबूनिशा को बांद्रा में माउंट मैरी स्थित उसके बंगले में दे दिया गया। अगले दिन अबू सलेम को अजीज द्वारा आदेश दिया गया कि वह जैबूनिशा के घर फिर जाए और उससे यह बैग वापस ले ले। सलेम पर आरोप है कि उसने इस बैग को अपने दोस्त मंसूर अहमद की ब्लू मारूति-1000 गाड़ी में कुर्ला में कल्पना टॉकिज के पास तीन दिन तक रखा। सलेम ने जांच एजेंसियों को जो स्टेटमेंट दिया था, उसमें कहा गया कि चूंकि वह इन हथियारों को अपने पास ज्यादा दिन रखना नहीं चाहता था, इसलिए उसने इस बैग को जोगेश्वरी में किसी अयूब पटेल को दे दिया था। सलेम के अनुसार, उसे अच्छी तरह याद है कि इन हथियारों की डिलिवरी के तीन महीने बाद मुंबई में बम धमाके हुए थे। उसे यह भी याद था कि बम धमाकों के कुछ दिनों बाद संजय दत्त, बाबा चव्हाण, जैबूनिशा, अयूब पटेल, मंसूर अहमद, हनीफ और समीर पुलिस द्वारा पकड़ लिए गए थे।

लखनऊ से दुबई भागने की कहानी

अबू सलेम ने जैसा कि जांच एजेंसियों का दावा है, उन्हें बताया कि बम ब्लास्ट के बाद अजीज ने उसे कॉल किया और कहा कि वह अपनी दुकान से फौरन भाग जाए और माहिम में उससे मिले। माहिम में मुलाकात के बाद अजीज ने उससे कहा कि यदि वह गिरफ्तार हुआ, तो उसका यानी अजीज का भी नाम आएगा, इसलिए उसने सलेम को यूपी में अपने गांव भाग जाने की सलाह दी। वह यूपी तो भागा, पर आजमगढ़ नहीं गया, बल्कि उसने लखनऊ के गोमती नगर इलाके में किराए का घर ले लिया। यहां वह अपनी पहली पत्नी समीरा के साथ करीब 6 महीने तक रहा। इस दौरान वह लगातार अजीज से संपर्क में रहा, जो उस दौरान मुंबई से दुबई शिफ्ट हो गया था। अजीज ने सलेम को दुबई आने की सलाह दी। उसी ने सलेम और समीरा के सन 1993 के आखिरी दिनों में फर्जी नाम से पासपोर्ट बनवाए। सलेम पत्नी के साथ दिल्ली के रास्ते दुबई भाग गया। दुबई एयरपोर्ट पर अजीज ने ही सलेम को रिसीव किया और 'पर दुबई' एरिया में अपने घर ले गया, जो वहां के किंग विडियो शो रूम के ठीक ऊपर था। अबू सलेम की पुर्तगाल में गिरफ्तारी और फिर भारत में उसके प्रर्त्यपण के बाद ऐसा कहा जाता है कि यही अजीज दुबई से फिर अमेरिका शिफ्ट हो गया।

जुहू में निमार्णाधीन इमारत में सिलेंडर ब्लास्ट, 6 की मौत

मुंबई। मुंबई के विले पार्ले (वेस्ट) में जेवीपीडी स्कीम के तहत निमार्णाधीन बिडिंग प्रार्थना में बुधवार रात आग लगने से एक बच्चे समेत पांच श्रमिकों की मौत हो गयी। करीब 11 लोगों को घायलावस्था में नजदीक के अस्पताल आर एन कूपर में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार इनमें से करीब 8 लोगों की हालत गंभीर है। कुछ श्रमिक अभी भी मलबे में दबे हैं जिनकी तलाश में फायर ब्रिगेड टीम जुटी है। चार लोग अभी भी लापता हैं। घटना के शिकार हुए लोगों में अधिकांश पश्चिम बंगाल के मजदूर हैं। इस 13 मंजिला इमारत के निचले तल से शुरू हुई आग के कारणों का पता अभी नहीं चला है। लेकिन संदेह जताया जा रहा है कि हादसे की वजह एलपीजी सिलिंडर से होने वाला लीकेज रहा होगा। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि आग लगने से पहले सिलिंडर से विस्फोट की तरह की आवाज उसने सुनी। घटना स्थल पर क्षतिग्रस्त एलपीजी सिलिंडर व स्टोव देखे गए। जुहू पुलिस स्टेशन के सीनियर इंस्पेक्टर सुनील घोसलकर ने कहा, आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंच गयी।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।
(9619102478)

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरतं संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)
(9619102478)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

उचित आक्रोश

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता गौरी लंकेश की हत्या पर चौतरफा रोष और आक्रोश स्वाभाविक ही है। इस तरह की हत्याएं सभ्य समाज के समक्ष उपस्थित गंभीर खतरों को ही रेखांकित करती हैं। गौरी लंकेश की हत्या एमएम कलबुर्गी, गोविंद पनसारे और नरेंद्र दाभोलकर की हत्याओं की याद दिलाने वाली है। ये सभी लेखक-बुद्धिजीवी के साथ-साथ सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर भी जाने जाते थे। ऐसे लोगों की हत्या देश की बदनामी का कारण बनती है। विडंबना यह है कि इनमें से किसी की भी हत्या के कारणों की तह तक नहीं पहुंचा जा सका है। कर्नाटक सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि गौरी लंकेश की हत्या की जांच में किसी तरह की हीलाहवाली न होने पाए। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कर्नाटक सरकार ने विशेष जांच दल के गठन की घोषणा कर दी है, क्योंकि कर्नाटक सीआईडी दो साल बाद भी एमएम कलबुर्गी की हत्या के कारणों का पता नहीं लगा सकी है। वैसे तो कानून एवं व्यवस्था के मामले में कर्नाटक सरकार के लचर रवैये को देखते हुए गौरी लंकेश की हत्या की जांच सीबीआइ को सौंपने की मांग उचित ही नजर आती है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यह एजेंसी नरेंद्र दाभोलकर की हत्या के मामले में किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी है। इसी तरह महाराष्ट्र पुलिस का विशेष जांच दल गोविंद पनसारे के हत्यारों तक पहुंचने में नाकाम है। ऐसा क्यों है, इसकी तह तक जाने की जरूरत है। यदि सामाजिक कार्यकताओं की हत्या के आरोपी इसी तरह बचे रहे तो इससे कानून का शासन गंभीर सवालों से ही घिरेगा। गौरी लंकेश की हत्या को लेकर कई राजनीतिक दल जिस तरह न्यायाधीश की भूमिका में आ गए हैं और अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचते दिख रहे हैं उससे तो यही अधिक प्रकट हो रहा है कि उनकी दिलचस्पी इस हत्या का राजनीतिक लाभ उठाने में ही अधिक है। इसमें दो राय नहीं कि गौरी लंकेश हिंदूवादी संगठनों की प्रबल आलोचक थीं, लेकिन क्या इतने मात्र से उनकी हत्या के लिए भाजपा, संघ और यहां तक कि मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? कुछ राजनीतिक दल यही कर रहे हैं। हैरानी यह है कि कांग्रेस यह काम कुछ ज्यादा ही बढ़चढ़ करके कर रही है, जबकि कर्नाटक में उसकी ही सरकार है। कांग्रेस जैसा रवैया वामपंथी दलों का भी है जिनके शासन वाले केरल में राजनीतिक विरोधियों की हत्याएं आम बात है। हत्या जैसे जघन्य अपराध पर विचारधारा के आधार पर प्रतिक्रिया व्यक्त करना कुल मिलाकर समाज को गलत संदेश देना है। कम से कम राजनीतिक दलों को तो ऐसी क्षुद्रता से बचना चाहिए, क्योंकि जब वे दोहरा रवैया अपनाते हैं तो फिर उनके समर्थक भी मनमानी करते हैं। विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता का यह मतलब नहीं हो सकता और न ही होना चाहिए कि हिंसा-हत्या के किसी मामले में तो मुखर होकर विरोध किया जाए और किसी अन्य मामले में मौन सा धारण कर लिया जाए। सभ्य समाज की निशानी यही है कि हर विचारधारा के लोगों को सम्मान मिले और उनसे सहमति अथवा असहमति लोकतांत्रिक एवं मर्यादित तरीके से व्यक्त की जाए। हमारे राजनीतिक दल यह जितनी जल्द सीखें, उतना ही बेहतर।

भविष्य की झलक दिखाता फेरबदल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मंत्रिमंडल के फेरबदल में चौंकाया चाहे जितना हो पर आलोचना का ज्यादा मौका नहीं दिया। जो हटाए गए उनके जाने का किसी को गम नहीं होगा और जो आए उनके खिलाफ बोलने के लिए बहुत कम है। सिवाय ऐसी रवायती बातों के कि नौकरशाहों पर नेताओं से ज्यादा भरोसा किया। कहते हैं कि शतरंज का अच्छा खिलाड़ी वह नहीं जो अगली चाल पहले से सोच ले, बल्कि अच्छा खिलाड़ी वह होता है जो अगली कई चालें सोच ले। केंद्रीय मंत्रिमंडल के फेरबदल में कई संदेश हैं जो पार्टी और सरकार में शामिल लोगों के लिए हैं। पहला संदेश है कि काम करेंगे तो रहेंगे, नहीं तो बाहर जाने का दरवाजा खुला है। दूसरा यह कि क्षेत्र, जाति, धर्म का प्रतिनिधित्व तो ठीक है पर इनका नंबर योग्यता के बाद ही आता है। मंत्रिमंडल में परिवर्तन भले ही 2017 में हुआ हो, लेकिन नजर 2019 पर है। नए आने और तरक्की पाने वाले 2019 के बाद की तस्वीर की झलक हैं।

ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी मीडिया के सारे अनुमानों और कथित विश्वस्त सूत्रों को गलत साबित करने की कसम खाए हुए हैं। मीडिया जितने लोगो को मंत्री बना रहा था उनमें से सत्यपाल सिंह के अलावा कोई मंत्री नहीं बना। नए बनने वाले नौ मंत्रियों में चार पूर्व नौकरशाह हरदीप सिंह पुरी, आरके सिंह, सत्यपाल सिंह और केजे अल्फोंस हैं। चारों अपने सेवाकाल में अपनी कार्यकुशलता और ईमानदारी के लिए जाने जाते हैं। आरके सिंह गाहे-बगाहे सरकार और पार्टी के खिलाफ बोलते रहे हैं। भगवा आतंकवाद के प्रतिपादकों में भी उनका नाम शामिल है, लेकिन यह सब उनके मंत्री बनने में बाधा नहीं बना। बाकी पांच पार्टी से काफी समय से जुड़े रहे हैं। कर्नाटक के अनंत हेगड़े पांचवीं बार लोकसभा में पहुंचे हैं और अपने हिंदुत्ववादी तेवर के लिए जाने जाते हैं। वह ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और स्वयंसेवी समूहों के विकास में अपनी रुचि के लिए भी खूब जाने जाते हैं। बिहार के अश्विनी चौबे राजनीति और अपनी प्रशासनिक क्षमता के आधार पर सुपात्र कहे जाएंगे। वह घर-घर में हो शौचालय का निर्माण, तभी होगा लाड़ली बिटिया का कन्यादान का नारा देने वाले और महादलित परिवारों में 11 हजार शौचालयों का निर्माण कराने के लिए भी जाने जाते हैं। मध्य प्रदेश के वीरेंद्र कुमार बाल श्रम पर पीएचडी हासिल कर चुके हैं। अपने अन्य सामाजिक कामों के अलावा वह युवकों को जाति के बंधन से आजाद होने की मुहिम चलाते हैं। राजस्थान के गजेंद्र सिंह शेखावत एक प्रगतिशील किसान हैं जो ग्रामीण भारत के लिए रोल मॉडल माने जाते हैं। वह सोशल मीडिया पर बहुत ही सक्रिय हैं। सादगी उनका राजनीतिक चोला नहीं, जीवन शैली है। उत्तर प्रदेश के शिव प्रताप शुक्ल अपनी किसी योग्यता से ज्यादा, गोरखपुर के जातीय समीकरण को साधने के मकसद से मंत्री बनाए गए हैं। फेरबदल में जो छह मंत्री हटाए गए उनमें सबके हटने के कारण अलग-अलग हैं। दो मंत्रियों में से एक संजीव बालियान अपने मंत्रालय के काम के प्रति बहुत संजीदा न होने के कारण बाहर हुए हैं। दूसरे, राजीव प्रताप रूड़ी को शायद अक्षमता और हाई फाई जीवन शैली की सजा मिली है। अच्छी बात है कि उन्हें हवाई जहाज भी उड़ाना आता है। अब इसके लिए उनके पास काफी समय होगा। बिहार के ही योग्य, ईमानदार और उनके सजातीय लोकसभा सदस्य आरके सिंह का मंत्रिमंडल में आना रूडी के भविष्य का मार्ग दुरूह बनाएगा। इस फेरबदल में प्रधानमंत्री ने क्षेत्रीय और जातीय संतुलन साधने पर सबसे कम और योग्यता, ईमानदारी नतीजा लाने वालों पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया है। वरना कर्नाटक से एक ब्राह्मण अनंत कुमार के रहते दूसरे ब्राह्मण अनंत हेगड़े को मंत्रिमंडल में जगह न मिलती।

योग्यता, ईमानदारी और निष्ठापूर्वक काम करने को किस तरह पुरस्कृत किया गया है, इसका उदाहरण निर्मला

सीतारमण, धर्मेंद्र प्रधान, पीयूष गोयल और मुख्तार अब्बास नकवी को मिली पदोन्नति है। इसमें सबसे ज्यादा चौंकाने वाला फैसला निर्मला सीतारमण को रक्षा मंत्री बनाने का है। अब वह कैबिनेट की सुरक्षा मामलों की उस समिति में बैठेंगी जिसमें सरकार के केवल पांच मंत्री ही बैठ सकते हैं। वहां वे ऐसे लोगों के साथ बैठेंगी जो कुछ समय पहले तक उन्हें अपने साथ बैठाने को तैयार नहीं थे। यह सिर्फ किस्मत नहीं, मेहनत, ईमानदारी और जिम्मेदारी के प्रति निष्ठा का नतीजा है। आजादी के बाद पहली बार होगा कि सीसीएस में दो महिलाएं बैठेंगी। महिला सशक्तीकरण की दिशा में इसे बड़ी पहल माना जाना चाहिए। धर्मेंद्र प्रधान और पीयूष गोयल इस सरकार के पोस्टर ब्वॉय हैं। इन दोनों मंत्रियों ने तीन सालों वह किया है जो सरकारों के कामकाज की सामान्य गति से शायद एक दशक में भी नहीं हो पाता। पांच साल बीतते-बीतते धर्मेंद्र प्रधान का उपनाम उज्ज्वला हो जाए तो आश्चर्य नहीं। केंद्रीय मंत्रिमंडल के फेरबदल में प्रधानमंत्री की कई कदम आगे की सोचने की रणनीति नजर आती है। 2014 में सरकार और पार्टी की कमान हाथ में आने के बाद उन्होंने एक पीढ़ी परिवर्तन किया था। जिसमें कई महारथी खेत रहे थे। मंत्रिमंडल का ताजा फेरबदल केवल 2019 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर डिलिवरी पर जोर देने के लिए ही नहीं है। यह 2019 में बनने वाले (अगर बना तो) मंत्रिमंडल की झलक है। 2019 में एक और पीढ़ी परिवर्तन की प्रधानमंत्री ने तैयारी कर ली है। जो नए राज्यमंत्री बने हैं, खासतौर से स्वतंत्र प्रभार वाले, वे भविष्य के कैबिनेट मंत्री हो सकते हैं। शर्त एक ही है कि वे परफार्म करके दिखाएं। सीसीएस में निर्मला सीतारमण का आना उस स्तर पर भी बदलाव की शुरूआत हैं, अंत नहीं। दो युवा नेताओं रूडी और बालियान की सरकार से छुट्टी का एक और संदेश है कि केवल युवा होने से सरकार में जगह पाने और बने रहने की गारंटी नहीं है। मौजूदा मंत्रिमंडल के कई वरिष्ठ मंत्रियों को सीतारमण, प्रधान और गोयल की तरफ देखने की बजाय लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी की तरफ देखना चाहिए। अब यह उन्हें तय करना है कि हटना चाहेंगे या हटाया जाना? इस पूरे फेरबदल में दो बातें खटकती हैं। एक जिन लोगों को सरकार में जगह मिली है वे तीन साल पहले भी उपलब्ध थे। उस समय उन्हें मौका क्यों नहीं दिया गया? पूर्व नौकरशाहों के बारे में तो यह कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री और पार्टी अध्यक्ष यह देखना चाहते थे कि वे पार्टी में कैसे ढलते हैं, पर राजनीतिक लोगों के बारे क्या तर्क हो सकता है? वे सब लंबे समय से और संघर्ष के दिनों से पार्टी से जुड़े रहे हैं। दूसरी बात यह है कि अच्छा काम करने वालों को पुरस्कृत करने में तो कोई कसर नहीं छोड़ी गई है, पर ऐसा नहीं है कि जो गए केवल वही अक्षम थे। ऐसे कई मंत्री हैं जो प्रधानमंत्री की ही बनाई कसौटी पर खरे नहीं उतरते। ऐसे लोगों के प्रति नरमी बरती गई है। इन लोगों को ग्रेस मार्क्स क्यों मिले, इसकी वजह समझना मुश्किल है।

मौत का खेल

विदेश के बाद भारत के कुछ शहरों में भी बच्चों को खुदकशी के लिए उकसाने वाले खतरनाक खेल ने पंजाब में न केवल दस्तक दे दी है बल्कि एक जान ले चुका है। आनलाइन वीडियो गेम 'ब्लू व्हेल' के कारण कुछ दिन पहले लुधियाना में एक बच्चे ने फंदा लगाकर खुदकशी कर ली और अब पठानकोट में एक छात्र ने दो बार अपनी जान देनी चाही। इससे पूर्व नंगल में तीन-चार बच्चों को एक स्कूल ने इसी वजह से कड़ी सजा दी क्योंकि वह ब्लू व्हेल गेम खेलते थे। इस गेम को बनाने वाली युवती को हालांकि गिरफ्तार किया जा चुका है और यह इसे यू ट्यब वगैरह से हटाया जा चुका है लेकिन हकीकत यही है कि न तो इस पर रोक लग सकी है और न ही इसका क्रेज कम हो रहा है। जिस तरह से बच्चे इस तक पहुंच रहे हैं उससे फिलहाल यह संभव भी नहीं लगता। जैसे-जैसे इसके जाल में फंसकर बच्चों की जान गंवाने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं वैसे-वैसे इसका चलन बढ़ता ही जा रहा है। ऐसा लगता है कि साइबर जगत और उस पर नजर रखने वाली एजेंसियों के लिए भी यह चुनौती बन गया है। इसे लेकर पूरी दुनिया चिंतित है इसलिए पंजाब में अगर इसकी गिरफ्त में बच्चे आने लगे हैं तो कुछ जरूर किया जाना चाहिए। इसके लिए राज्य सरकार, खासकर पुलिस को कदम उठानें होंगे। अभिभावकों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। गुजरात सरकार ने तो कहा है कि इस गेम पर प्रतिबंध लगेगा, चाहे इसके लिए अध्यादेश ही क्यों न लाना पड़े। इससे सरकारों में इस जानलेवा गेम के पसरते पांवों को रोकने की जद्दोजहद तो महसूस की जा सकती है लेकिन यह समझना अभी मुश्किल है कि इस गेम को रोका कैसे जा सकता है। अगर कोई तरकीब है तो किसी एक राज्य में नहीं, देश भर में इसे प्रतिबंधित कर दिया जाना चाहिए। बल्कि विश्व स्तर पर ऐसे कदम उठाए जाने चाहिए। तकनीक के इस युग में यह मुश्किल भी नहीं होना चाहिए लेकिन जरूरत इस बात की है कि इसके लिए सरकारों को जल्दी कुछ करना होगा। यह भी संभव नहीं होगा कि किसी एक भूभाग में इसे प्रतिबंधित कर दिया जाए और दूसरे में नहीं। पूर्ण प्रतिबंध ही रास्ता है। माता-पिता की जिम्मेदारी तो सबसे ज्यादा है। बच्चों पर नजर रखना उनका कर्तव्य है कि वे कंप्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल पर कर क्या रहे हैं। उन्हें अच्छे-बुरे के बारे में बताना जरूरी है। अगर लगता है कि बच्चे को ऐसी लत लग गई है तो मनोवैज्ञानिक की मदद लेने में कतई संकोच नहीं करना चाहिए। सभी को मिलकर इस बारे में सोचना होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अबू सलेम को सजा मिलने के बाद आजमगढ़ में अलर्ट पर आईबी और एलआईयू

मुंबई। मुंबई में हुए सीरियल धमाकों में अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम को सजा सुनाए जाने के बाद उसके आजमगढ़ शहर की सुरक्षा व्यवस्था चौकन्नी कर दी गई है। दरअसल आजमगढ़ के सरायमीर में अबू सलेम का बेटा अब्दुल कयूम और अबू सलेम का बड़ा भाई हाकिम उर्फ चुनमुन का पूरा परिवार रहता हैं। आज के फैसले को लेकर उनके परिवार में सुबह से ही माहौल तनावपूर्ण बना हुआ था। वहीं आजमगढ़ में कई स्थानों पर लोग टीवी पर लगातार फैसले से जुड़ी हुई खबरें देखते रहे। तनाव भरे माहौल को देख आजमगढ़ के एसपी ग्रामीण ने बताया की आज के फैसले को देखते हुए हमने आसपास की सुरक्षा बढ़ा दी हैं। साथ ही यहां की खुफिया एजेंसियों को सतर्क रहने का आदेश भी जारी किया गया है। आईबी और एलआईयू की यूनिट लगातार अपनी नजर बनाये हुए है। वहीं पीएससी की दो कंपनियों

को अबू सलेम के घर के आसपास तैनात कर दिया गया है। साथ ही सरायमीर के थाना प्रभारी को लगातार गश्त करने का आदेश दिया गया हैं। बता दें कि 12 मार्च 1993 को मुंबई में अलग-अलग 12 स्थानों पर सीरियल धमाके हुए थे जिसमे मुंबई की विशेष टाडा कोर्ट ने कुल 6 लोगो को दोषी बताया था। इनआरोपियों में एक आरोपी की मौत बीते दिनों हार्ट अटैक से हुई थी। बाकी बचे अबू सलेम सहित 5 लोगो को आज सजा सुनाई गयी है। बता दें की अबू सलेम पहली बार अक्टूबर 2007 में अपनी मां के जनाजे में शामिल होने के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच अबू सलेम अपनी मां को मिट्टी देने आखिरी बार आजमगढ़ आया था। यही नहीं उसके बाद अबू सलेम की राजनीति में आने की खबरे भतीजे के जरिए फैली थी और आजमगढ़ में सलेम के पोस्टर भी लगाए गए थे।

19 सितंबर तक नतीजे घोषित करने का प्रयासः मुंबई विश्वविद्यालय

मुंबई। मुंबई विश्वविद्यालय के जरिए ली गई परीक्षा के नतीजों के ऐलान में इस साल काफी देरी हुई है। जिसके बाद विश्वविद्यालय ने बंबई उच्च न्यायालय में कहा कि वह 19 सितंबर तक नतीजे घोषित करने और अंक-पत्रों के वितरण का प्रयास कर रहा है। नतीजों में पहले ही शुरूआती समयसीमा से एक महीना से ज्यादा की देर हो चुकी है तथा इसे छह बार बढाया जा चुका है। विश्वविद्यालय द्वारा ली गयी परीक्षाओं के नतीजों की घोषणा में इस साल काफी देर हुई है। इसकी वजह आन-स्क्रीन प्रणाली में गड़बड़ी आना है। इस प्रणाली के तहत अंक पत्रों की स्कैनिंग की जाती है और उसके बाद कंप्यूटर पर उसकी जांच की जाती है ताकि अंकपत्र में किसी छेड़छाड़ को रोका जा सके। विश्वविद्यालय के वकील रूई रोड्रिग्स ने मौजूदा देरी के लिए बकरीद और गणपति उत्सव पर छुट्टियों को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि छुट्टियों के कारण कई कर्मी उपलब्ध नहीं हो सके। न्यायमूर्ति अनूप वी मोहता और न्यायमूर्ति भारती डांगे की पीठ ने कहा कि ऐसी आपात स्थिति में विश्वविद्यालय कर्मचारियों की अनुपब्लधता को कारण नहीं बता सकता। रोड्रिग्स ने दलील दी कि यह याद रखना चाहिए कि काम रोबोटों के जरिए नहीं बल्कि इंसानों के जरिए किया जाना है। उन्होंने कहा कि हमने अधिकतर काम पूरा कर लिया है और प्रयास कर रहे हैं कि नियमित स्नातक पाठ्यक्रमों के सभी नतीजे 19 सितंबर तक घोषित कर दिए जाएं।

पंखे से लटका हुआ मिला महिला सिपाही का शव

ठाणे। पुलिस हेडक्वार्टर में तैनात एक महिला पुलिस कर्मचारी ने अपने घर में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया है। घटना बुधवार देर रात की है। महिला सिपाही का शव उनके घर में पंखे से लटका हुआ मिला। जांच में सामने आया है कि सुसाइड से पहले महिला कांस्टेबल का मंगेतर भी उनके साथ था। जानकारी के मुताबिक, 21 वर्षीय महिला सिपाही का नाम सारिका पवार है। फिलहाल सुसाइड का कारण स्पष्ट नहीं है। पुलिस को सारिका के घर से कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ है। इस मामले में पुलिस ने केस रजिस्टर कर जांच शुरू कर दी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच में सामने आया है कि, सारिका की जल्द ही शादी होने वाली थी और उसका मंगेतर सुसाइड के पहले उसके साथ था। इस वारदात के बाद से वह फरार है और उसका फोन भी स्विच ऑफ आ रहा है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

द ढाबा होटल के ओपन स्पेस पर अतिक्रमण करके बना अवैध बांधकाम

ओशिवरा का हीरा पन्ना मॉल मामला

इसके साथ ही कई राजनीतिक दल के नेताओं ने भी हीरा पन्ना मॉल के टेरिस पर चल रहे अवैध MRP हुक्का लांज पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उनके फोन सोसायटी को आ रहे हैं और अविलंब गैर कानूनी और समाज विरोधी MRP हुक्का लांज को बंद करने को कह रहे हैं। इन बातों का असर यह हुआ कि ओम हीरा पन्ना मॉल की सोसायटी ने अपने टेरिस पर चल रहे अवैध MRP हुक्का लांज को बंद करने का लिखित आदेश MRP हुक्का लांज के मालिक को दिया। इस बात से गैर कानूनी रूप से चल रहे MRP हुक्का लांज के मालिक काफी दबाव और परेशानी में आ गया है और किसी भी वक्त वे अपने MRP हुक्का लांज को बंद करने पर विवश हो सकता है। जैसा कि हम पहले बता चुके हैं कि ओशिवरा के ओम हीरा पन्ना मॉल के टेरिस पर अवैध रूप से चल रहे MRP हुक्का लांज में कम उम्र के नाबालिग लड़के-लड़कियां भी बड़ी संख्या में शामिल रहती हैं। ओम हीरा पन्ना मॉल के टेरिस पर चल रहा यह अवैध MRP हुक्का लांज नशेड़ियों के लिए पसंदीदा अड्डा बन चुका है। पहले इस MRP हुक्का लांज का नाम वाईल्ड डायनिंग था जो अब नये नाम MRP हुक्का लांज से मशहूर हो चुका है। यहां देश की युवा पीढी और नाबालिग लड़के-लड़कियां नशा करने के लिए इकठ्ठा होती हैं। इस अवैध MRP हुक्का लांज के पास न तो खाने की सामग्री परोसने और न ही शराब बेचने का लायसेंस है फिर भी यहां ग्राहकों को खाने की वस्तुएं और शराब पीने पिलाने का काम धड़ल्ले से जारी है। इस MRP हुक्का लांज के पास हेल्थ लायसेंस और फायरब्रिगेड का भी कोई लायसेंस नहीं है। ऐसे में यहां किसी भी वक्त अग्निकांड होने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। हैरत की बात तो यह है कि ओशिवरा जैसे इलाके में इतना बड़ा गैर कानूनी काम धड़ल्ले से चल रहा है और मनपा के/पश्चिम वार्ड के अधिकारियों और ओशिवरा पुलिस स्टेशन के अधिकारियों की आंखें बंद हैं। जबकि इन अधिकारियों को अबतक ओम हीरा पन्ना मॉल के टेरिस पर चल रहे इस MRP हुक्का लांज के खिलाफ COPTA कानून के तहत कार्रवाई करके इसके मालिक और मैनेजर को सलाखों के पीछे भेज दिया जाना चाहिए था ताकी देश की युवा पीढी का भविष्य नशे के गर्त में डूबने से बच सके।

दूसरी तरफ ओम हीरा पन्ना मॉल के बगल में ही द ढाबा नाम का होटल चल रहा है जो अपने अनधिकृत बांधकाम के लिए काफी बदनाम है। सूत्रों के अनुसार द ढाबा के मालिक ने ढाबा के बाहर गटर के उपर और बाहर के ओपन स्पेस पर अवैध बांधकाम करके काफी जमीन पर कब्जा कर लिया है जिससे राहगीरों को आने जाने में काफी परेशानी होती है। सूत्रों ने जानकारी दी है कि द ढाबा के मालिक ने ढाबे के बाहर गटर के ऊपर के साथ-साथ बाहरी स्पेस पर कब्जा जमाने के लिए मनपा के/पश्चिम वार्ड के भ्रष्ट अधिकारियों को मोटी रिश्वत दी है जिस कारण उसने गटर के ऊपर और इसके बाहर खुली जमीन पर भी अपना अवैध बांधकाम कर लिया है। लोगों ने द ढाबा के मालिक पर MRPT के तहत कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस अफसर की बेटी का...

पुलिस ने केस दर्ज कर लड़की के पिता को इन्फॉर्म कर दिया है। नागपुर के एपीआई की बेटी ने वाईसीसी इंजीनियरिंग कॉलेज से पढ़ाई की। इसके बाद वो मुंबई की एक आईटी कंपनी में काम कर रही थी और विक्रोली के फ्लैट में रह रही थी। 4 सितंबर को नागपुर का ही रहने वाला निखिलेश पाटिल (24) अपने दोस्त नीलेश खोबरागडे (38) के साथ लड़की से पुणे में मिला। ये तीनों लोग अंबरनाथ के रहने वाले अक्षय वोलाडे (24) के घर गए। यहां निखिलेश और अक्षय ने लड़की के साथ रेप किया और फिर मर्डर कर दिया। बॉडी को सूटकेस में भरने के बाद निखिलेश, नीलेश और अक्षय गोवा जाने के लिए निकले। बेलगावी में अक्षय और निखिलेश ने बॉडी फेंक दी। इसके बाद उन लोगों ने रत्नागिरी में सरेंडर कर लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपनी एक करीबी दोस्त के साथ विक्टिम पुणे आई थी। यहां दोनों को एक और दोस्त से मुलाकात करनी थी। ये अभी साफ नहीं हो पाया है कि निखिलेश से विक्टिम की मुलाकात वास्तव में कहां हुई। निखिलेश भी नागपुर से है और वो भी इंजीनियर है। अंबरनाथ में पुलिस ने उस फ्लैट की तलाशी ली, जहां लड़की के साथ रेप किया गया। फॉरेंसिक टीम ने भी इस फ्लैट से सबूत तलाशे हैं। बिल्डिंग की सीसीटीवी फुटेज भी ले ली गई है। लड़की के पिता ने बताया कि, उसने विक्रोली (वेस्ट) इलाके में रेंट पर एक फ्लैट लिया था। मैंने लास्ट टाइम 15 अगस्त को उसे मुंबई में देखा था।

1993 ब्लास्ट मामला

सोर्सेस के मुताबिक, फांसी की सजा सुनते ही फिरोज की आंखों में आंसू आ गए। जब सलेम ने दिलासा देने के लिए उसके कंधे पर हाथ रखा, तो फिरोज ने हाथ झटक दिया। बता दें कि 12 मार्च, 1993 को मुंबई में एक के बाद एक 12 बम धमाके हुए थे। इन धमाकों में 257 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 700 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। कोर्ट में मौजूद सोर्सेस के मुताबिक, जज के सजा सुनाने के बाद सलेम चुपचाप कोर्ट में पीछे की सीट के पास खड़ा हो गया। उसके ठीक बगल में फिरोज बैठा था। जैसे ही फिरोज को फांसी की सजा सुनाई गई, उसकी आंखों में आंसू आ गए। सलेम ने फिरोज के कंधे पर हाथ रखा, लेकिन नाराजगी में फिरोज ने हाथ झटक दिया।' फिरोज कोर्ट में ही चिल्लाने लगा। उसने कहा, मेरा परिवार कई साल से भुगत रहा है। मुझे उम्रकैद की सजा दे दीजिए। मैं पेरोल भी नहीं लूंगा। मैं मरना नहीं चाहता हूं। फिरोज की एक महिला रिश्तेदार कोर्ट में ही बेहोश हो गई। ताहिर मर्चेंट शांत था और सजा के ऐलान के बाद सिर्फ ऊपर की ओर देखता रहा। फिरोज खान के वकील वहाब खान ने कहा, हम टाडा कोर्ट के फैसले को जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे।

फिल्म "रक्तधार" का ट्रेलर और संगीत की लॉन्चिंग संपन्न

बुधवार ६ सितम्बर २०१७ को हिंदी फिल्म **रक्तधार** की भव्य ट्रेलर और म्यूजिक लॉन्चिंग संपन्न हुई, इस फिल्म का निर्माण 'चित्रा फिल्म्स' द्वारा 'आर एस', 'एच आर' टीम सोलूशन्स प्राइवेट लिमिटेड के असोसिअशन में किया गया है। यह समारोह अँधेरी के 'दी ब्यू' में संपन्न हुई, जहाँ मुख्य अतिथि के रुप में एन सी पी की महाराष्ट्र की महिला अध्यक्ष चित्रा वाघ उपस्तिथ थी।

फिल्म के लेखक और निर्देशक अजित वर्मा हैं, निर्माता धनन्जय धवन पाटील एवं राजन गुप्ता ह। एक्शन महेंद्र वर्मा, संपादन विजय पाल, कैमरा मनोज गोस्वामी, एवं इ पी के रुप में नागेश पुजारी हैं। फिल्म के कलाकारों में जिम्मी शर्मा, संविता बनर्जी, शक्ति कपूर, मुकेश ऋषि, शाहबाज खान, मनीष खन्ना, सुप्रिया कार्णिक, अशोक बेनीवाल, शकु राणा और दीपशिखा नागपाल हैं।

निर्देशक अजित वर्मा ने फिल्म के विषय पर रोशनी डालते हुए कहा, यह फिल्म लोगो के विचारो को झिंझोड़ के रख देगी, यह एक प्रेम कहानी ही नहीं है, इसमें भावनात्मक, एक्शन हास्य और रोमांच से भरपूर फिल्म है, पहली बार ओस फिल्म में एक हिजड़े का बलात्कार दिखाया गया है। फिल्म जल्द ही प्रदर्शित होगी।

'अफगानिस्तान में अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती करेगा अमरीका'

अमरीका, अफगानिस्तान में 3,500 अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती करेगा, जिसके बाद युद्धरत देश में तैनात उसके कुल सैनिकों की संख्या बढ़कर 14,500 हो जाएगी। रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने कल बताया कि रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अफगान नीति के अनुसार सैनिकों की इस नई तैनाती को मंजूरी दे दी है, जबकि इस नीति में वहां से अमरीकी सैनिकों की वापसी की कोई समय सीमा निश्चित नहीं है।

अधिकारी ने बताया कि मैटिस ने अफगानिस्तान में 3,500 अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती की मंजूरी दे दी है। उल्लेखनीय है कि इससे पिछले सप्ताह ही पेंटागन ने अफगानिस्तान में तैनात कुल सैनिकों के अपने पहले के 8,400 सैनिकों के आंकड़ों को संशोधित करके 11,000 सैनिक किया था।

मैटिस ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा कि उन्होंने अफगानिस्तान में अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती के कागजात पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। हालांकि उन्होंने सैनिकों की सटीक संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। मैटिस और विदेश मंत्री रेक्स टिलरसन ने कांग्रेस के सदस्यों को नई अफगान और उत्तर कोरिया के बारे में बताया था, जिसके बाद अफगानिस्तान में अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती की घोषणा की गई है। इसमें ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल जोसेफ डूनफोर्ड और राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी के निदेशक दान कोट्स भी शामिल थे।

सीनेटर टोड यंग ने कहा, अफगानिस्तान में अमरीकी सैन्य मौजूदगी हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हितों, हमारे कमांडरों की सलाह और जमीनी वास्तविकताओं पर आधारित होना चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि आतंकवादी फिर से अफगानिस्तान को अपने प्रशिक्षण अथवा हमारे देश में आतंकवादी हमलों के प्रक्षेपण स्थल के तौर पर इस्तेमाल नहीं कर सकें। सीनेटर जैरी मोरान ने अफगानिस्तान से लौटने के बाद मिलिट्री टाइम्स को दिए साक्षात्कार में कहा, अफगानिस्तान, कोई अल्पकालिक स्थति नहीं है, हमें जिसका सामना करना है। उत्साहजनक संकेतों के बावजूद ऐसा नहीं लगता कि हम अफगानिस्तान से जल्दी वापस आ जाएंगे।

1993 मुंबई बम धमाका पर एक नजर

मुंबई में 12 मार्च,1993 को सिलसिलेवार तरीके से हुये 12 बम धमाकों की घटना के 24 साल बाद आज एक विशेष टाडा अदालत ने मुकद्दमे के दूसरे चरण में 2 दोषियों को सजा-ए-मौत और अबु सलेम सहित अन्य 2 अन्य को उम्रकैद की सजा सुनाई। विस्फोट की इन घटनाओं में 257 व्यक्ति मारे गये थे। इस पूरे मामले का घटनाक्रम इस प्रकार है जिसमें मुख्य मुकदमा वर्ष 2007 में खत्म हुआ था। इस मामले में सात अभियुक्तों का मुकदमा अलग कर दिया गया था जिसमें से छह को 16 जून को दोषी करार दिया गया था।

12 मार्च,1993 : 12 बम विस्फोटों से दहल गई मुंबई। 257 लोगों की जान गई और 713 अन्य घायल हुए।

19 अप्रैल, 1993 : बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त (अभियुक्त संख्या 117) की गिरफ्तारी।

4 नवंबर, 1993 : संजय दत्त सहित 189 आरोपियों के खिलाफ 10,000 से अधिक पन्नों का पहला आरोप-पत्र दाखिल किया गया।

19 नवंबर, 1993 : मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई।

10 अप्रैल, 1995 : टाडा अदालत ने 26 आरोपियों को आरोप मुक्त किया। शेष अभियुक्तों के खिलाफ आरोप तय। उच्चतम न्यायालय ने दो अन्य अभियुक्तों को आरोप मुक्त किया। इनमें ट्रैवल एजेंट अबु असीम आजमी (समाजवादी पार्टी के नेता) और अमजद मेहर बख्श शामिल थे।

19 अप्रैल, 1995 : मुकदमे की सुनवाई का पहला चरण शुरू हुआ।

18 सितंबर, 2002 : पुर्तगाल के लिस्बन में अबु सलेम की गिरफ्तारी।

20 मार्च, 2003 : सीबीआई ने अभियुक्त मुस्तफा दोसा को दुबई से लौटने पर नई दिल्ली के इन्दिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर गिरफ्तार किया।

सितंबर, 2003 : मुख्य मुकदमे की सुनवाई पूरी। मुंबई की टाडा अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा।

9 जनवरी, 2004 : दोसा के खिलाफ आरोप तय किए गए।

11 नवंबर, 2005 : सलेम को भारत प्रत्यिपत किया गया।

9 दिसंबर, 2005 : सलेम के खिलाफ आरोप तय।

13 जून, 2006 : अबु सलेम के मुकदमे को अलग किया गया।

12 सितंबर, 2006 : टाडा अदालत के न्यायाधीश पी.डी कोडे ने फैसला सुनाना शुरू किया। मेमन परिवार के चार सदस्यों को दोषी ठहराया और तीन को बरी कर दिया। बाद में 12 दोषियों को मौत की सजा और 20 दोषियों को उम्रकैद की सजा दी गई। अन्य दोषियों को अलग-अलग अवधि की सजा दी गई।

फरवरी 2007 : मुख्य मुकदमा खत्म हुआ। मुकदमे के दूसरे चरण में सात अभियुक्तों के खिलाफ सुनवाई शुरू।

16 मार्च, 2013 : उच्चतम न्यायालय द्वारा दोषसिद्धि बरकरार रखने पर संजय दत्त ने अदालत में आत्म समर्पण किया।

21 मार्च, 2013 : उच्चतम न्यायालय ने टाइगर मेमन के भाई याकूब मेमन की फांसी की सजा बरकरार रखी, और 10 दोषियों की मौत की सजा उम्रकैद में बदली। साथ ही 18 में से 16 दोषियों की उम्रकैद की सजा भी बरकरार रखी।

13 अगस्त, 2013 : टाडा अदालत ने सलेम के खिलाफ कुछ आरोपों को हटा दिया जिनसे पुर्तगाल के साथ प्रत्यार्पण संधि का उल्लंघन हुआ था।

30 जुलाई, 2015 : मुख्य साजिशकर्ता और मामले में फांसी की सजा पाने वाले एकमात्र दोषी, याकूब मेमन को फांसी दी गई।

7 दिसंबर, 2015 : मुकदमे की सुनवाई के दूसरे चरण में अंतिम बहस शुरू।

8 जून, 2016 : अदालत ने आरोपी फिरोज अब्दुल राशिद की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उसने कहा था कि वह सरकारी गवाह बनना चाहता है।

मार्च 2017 : सुनवाई पूरी हुई।

16 जून, 2017 : टाडा अदालत के न्यायाधीश जी.ए.सनप ने सलेम और दोसा सहित छह अभियुक्तों को दोषी ठहरायाऔर एक को बरी किया।

28 जून, 2017 : मुंबई अस्पताल में दिल का दौरा पडने से दोसा की मौत हो गई।

7 सितंबर, 2017 : अदालत ने ताहिर मर्चेंट और फिरोज अब्दुल राशिद खान को मौत की सजा, अबु सलेम और करीमुल्लाह खान को उम्रकैद और रियाज सिद्दीकी को 10 साल कैद की सजा सुनाई।

मनमोहन सिंह के इमाम बुखारी को दिए आश्वासन पर HC ने मांगा जवाब

दिल्ली की जामा मस्जिद के शाही इमाम को अक्टूबर 2004 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की ओर से दिए गए व्यक्तिगत आश्वासन पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सवाल उठाया है। वह आश्वासन मस्जिद को संरक्षित स्मारक घोषित नहीं करने के बारे में दिया गया था। केंद्र सरकार की अनुमति के बिना एक संरक्षित इमारत का उपयोग मीटिंग, रिसेप्शन, कॉन्फ्रेंस या मनोरंजक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट आश्वासन देने की जानना चाहता है वजह – हाईकोर्ट इस मसले में यह जानना चाहता है कि पूर्व प्रधानमंत्री ने किन वजहों से शाही इमाम को इस तरह का पत्र लिखकर आश्वासन दिया और यूपीए-1 की सरकार ने किन वजहों से फैसला लिया कि मस्जिद को संरक्षित इमारत घोषित नहीं किया जाएगा। कोर्ट ने निर्देश दिया कि मंत्रालय मामले से जुड़े सभी मौलिक दस्तावेज उपलब्ध कराएं। दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से पारित इस आदेश में पूर्व प्रधानमंत्री की ओर से शाही इमाम को लिखे गए पत्र का जिक्र है।

शाही इमाम ने 2004 में की थी में कांग्रेस के समर्थन की घोषणा – सूत्रों के अनुसार कोर्ट ने यह निर्देश सुहैल अहमद खान की ओर से दाखिल की गई याचिका पर दोबारा शुरू हुई सुनवाई के दौरान दिए। खान की मांग है कि मस्जिद को संरक्षित इमारत घोषित किया जाए। मनमोहन सिंह द्वारा 20 अक्टूबर, 2004 को लिखे पत्र का जिक्र करते हुए याचिकाकर्ता के वकील देविंदर पाल सिंह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का पत्र इस बात का सीधा सबूत है कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में शाही इमाम के समर्थन की कीमत चुकाई। जामा मस्जिद के शाही इमाम ने 2004 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के समर्थन की घोषणा की थी।

'PAK को बदनाम करने की बजाए भारत कश्मीर मुद्दे का करे समाधान'

पाकिस्तानी सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने कहा कि पाकिस्तान को बदनाम करने की बजाए भारत को कश्मीर मुद्दे का समाधान राजनीतिक और कूटनीतिक माध्यमों से करना चाहिए।

भारत पर लगाया ये आरोप

मीडिया खबर मुताबिक, रावलपिंडी में बीती रात रक्षा दिवस के मौके पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए बाजवा ने कहा कि दक्षिण एशिया को समृद्धि के लिए शांति की जरूरत है। भारत पर नियंत्रण रेखा पर निर्दोष लोगों की हत्या का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि भारत को शांति को एक मौका देना चाहिए। सेना प्रमुख ने कहा, यह भारत के हित में है,मुद्दे(कश्मीर)के स्थायी समाधान के लिए उसे कश्मीरियों के खिलाफ गोलियों का इस्तेमाल और पाकिस्तान को बदनाम करने की बजाए राजनीतिक और कूटनीतिक प्रक्रिया को तरजीह देनी चाहिए। बाजवा ने कहा कि पाकिस्तान बातचीत के जरिए कश्मीर मुद्दे का समाधान चाहता है।

आतंकवाद के खिलाफ है पाकिस्तान

उन्होंने कहा,दोनों देशों के लाखों लोगों का कल्याण स्थाई शांति से जुड़ा है। लेकिन ऐसा होने के लिए यह जरूरी है कि नियंत्रण रेखा पर निहत्थे और निर्दोष लोगों को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाना बंद किया जाए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीरियों को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के अनुरूप उनके आत्म निर्णय के अधिकार में मदद के लिए, राजनीतिक, नैतिक और कूटनीतिक समर्थन देता रहेगा। पाक सेना प्रमुख ने कहा कि उनका देश एक जिम्मेदार परमाणु राष्ट्र है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ है। उन्होंने कहा, हम युद्ध और आतंकवाद के खिलाफ हैं। हम परस्पर सम्मान और बराबरी के आधार पर सभी देशों से रिश्ता बनाना चाहते हैं।

ये इंडिया का खेल है- सचिन

भारत का शताब्दियों से चला आ रहा कबड्डी खेल आज आधुनिक क्रीडा जगह में भी अपनी अच्छी खासी पहचान बना चुका है। तभी तो आज वह प्रो-कबड्डी के नाम से वह दूरदर्शन पर लोकप्रिय हो गया है। प्रो-कबड्डी पिछले 28 जुलाई 2017 से दूरदर्शन के विभिन्न मनोरंजक चैनलों पर प्रसारित हो रहा है। इस प्रो-कबड्डीको लोकप्रियता के शिखर तक पहुंचाने में इसके प्रस्तुतकर्ता सचिन कुंभार का बड़ा योगदान है। वेशक इन्होंने अपने कुशल और यशस्वी प्रस्तुति स प्रो-कबड्डी के प्रति दर्शको की जिज्ञासा और कौतुहलता से उन्हें जोड़े रखा 2015 से शुरु हुआ प्रो-कबड्डी का सफर आज तक जारी रहने के लिए एक मात्र श्रेय सचिन कुंभार को जाता है। बकौल सचिन कुंभार उन्हें यह देखकर खुशी होती है कि लोग कबड्डी को पसंद करते हुए इसके खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने लगे हैं। तभी तो आज ये इंडिया का खेल है का विज्ञापन काफी चर्चित और लोकप्रिय हो चुका है। सचिन कुंभार प्रो-कबड्डी के अलावा फेमिना मिस इंडिया सहित लगभग 10 दूरदर्शन चैनलों की होस्टिंग कर चुके हैं जिसमें बड़े सेलेब्रिटिज और रियल्टी शोज भी शामिल है।

अँधेरी के सिनेपोलिस सिनेमा में मिस्टर कबाड़ी की स्पेशल स्क्रीनिंग

पदमश्री अनूप जलोटा , ओम छंगाणी और निर्देशक सीमा कपूर ने फिल्म जगत के कलाकारों को अपनी हिंदी कॉमेडी फिल्म मिस्टर कबाड़ी के स्पेशल स्क्रीनिंग में अँधेरी के सिनेपोलिस सिनेमा में आमंत्रित किया। मेहमानो में सारिका ,सतीश कौशिक, जसपिंदर नरूला ,एकता जैन ,एकता शर्मा ,श्री राजपूत ,हर्षवर्धन जोषी ,मधुश्री ,रूमी जाफरी ,अलसिया जाफरी ,विनोद ,कशिश वोरा और कई अन्य लोग शो देखने आये। ओमपुरी की पहली पत्नी सीमा कपूर द्वारा लिखित और निर्देशित, मि. कबाड़ी एक व्यंग्यपूर्ण कॉमेडी है, जो दिखाती है कि जब 'कबाड़ीवाला' या स्क्रैप डीलर समृद्ध हो जाता है, तो वह कैसे अपनी संपत्ति का दिखावा करता है... अन्य करोड़पति की तरह बनता है, वह कैसे बदलता है, उसकी अलमारी, एक अलग उच्चारण की कोशिश कर रहा है और अपने व्यवसाय का विस्तार करता है। इस फिल्म में कलाकार है – अन्नू कपूर, विनय पाठक, सारिका, सतीश कौशिक,बिजेंद्र काला, कशिश वोरा, उत्का गुप्ता, राजवीर सिंह व अन्य। दिलचस्प बात यह है कि सतीश कौशिक ने ओम पुरी के अधूरे हिस्से की डबिंग का काम पूरा किया है। यह फिल्म अनूप जलोटा फिल्म्स, ओम छानगानी फिल्म्स और साधना टीवी के बैनर के तहत बनाई गई है। फिल्म के सह निमार्ता राकेश गुप्ता, दिनेश गुप्ता और ओम छानगानी हैं।

गौरी लंकेश की हत्या के मामले में मायावती की मांग

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कर्नाटक की पत्रकार गौरी लंकेश की बेंगलुरू में हुई जघन्य हत्या को प्रथम दृष्टया एक बड़ी साजिश का हिस्सा करार दिया है। उन्होंने इस मामले के साथ-साथ नरेन्द्र दाभोलकर, गोविन्द पनसारे और एम.एम. कलबुर्गी जैसे लेखकों एवं साहित्यकारों की हत्याओं की जांच एन.आई.ए. से कराने की माँग की है। उन्होंने कहा कि कुछ-कुछ समय के अन्तराल पर लगातार हो रही इस प्रकार की जघन्य हत्याओं के मामलों में केवल निन्दा नहीं बल्कि केन्द्र सरकार को गंभीरता दिखानी होगी। वरिष्ठ पत्रकार गौरी लंकेश की उनके घर के पास हुई हत्या को अत्यन्त दुःखद एवं निन्दनीय बताते हुए मायावती ने एक बयान में कहा कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष विचारों वाले लेखकों, पत्रकारों और बुद्धिजीवियों की जिस प्रकार से एक के बाद एक लगातार हत्या हो रही है, तथा विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों को भी देश भर में आतंकित किया जा रहा है उसकी गंभीरता को समझते हुए केन्द्र सरकार को एनआईए से जांच करवानी चाहिए। प्रथम दृष्टया यह सभी मामले एक बड़ी साजिश का हिस्सा लगते हैं जिसके पीछे मजबूत लोगों का दिल, दिमाग एवं धन लगा हुआ है। इन हत्याओं के पीछे एक खास घातक पैटर्न पूरे देश को नजर आ रहा है, और देशहित में इन मामलों के प्रति केन्द्र एवं राज्य सरकारों को गंभीरता दिखानी चाहिए जोकि अब तक कहीं भी देखने को नहीं मिला है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जंग पर इंडियन आर्मी चीफ का बयान मोदी-जिनपिंग के नजरिए से अलग: चीन

बीजिंग/नई दिल्ली। इंडियन आर्मी चीफ के चीन और पाकिस्तान को खतरा बताए जाने वाले बयान से चीन नाखुश है। गुरुवार को चीन की तरफ से दो बयान आए। चीन के फॉरेन मिनिस्टर वांग यी ने कहा- दोनों देशों को माइंडसेट बदलने की जरूरत है। हम एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं हो सकते। वहीं चीन की फॉरेन मिनिस्ट्री के स्पोक्सपर्सन ने कहा- इंडियन आर्मी चीफ का बयान ब्रिक्स समिट के दौरान नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग के बीच बनी सहमति से अलग है। दोनों देश एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं हैं।

बता दें कि रावत ने बुधवार को कहा था कि भारत को दो मोर्चों पर जंग के लिए तैयार रहना चाहिए। चीन की फॉरेन मिनिस्ट्री के स्पोक्सपर्सन गेंग शुआंग ने रावत के बयान पर उन्होंने कहा- उन्हें प्रेसिडेंट शी का वो बयान देखना चाहिए था जिसमें उन्होंने दोनों देशों को डेवलपमेंट के रास्ते पर साथ चलने और टकराव छोड़ने को कहा था। शुआंग ने आगे कहा- मुझे नहीं मालुम रावत का बयान उनका है या ये भारत सरकार का बयान है। हमने रावत और भारत के मीडिया में आईं कुछ रिपोर्ट्स को नोट किया है। हम नहीं जानते कि रावत इस तरह का बयान देने के लिए ऑथोराइज्ड पर्सन हैं भी या नहीं।

दोनों देशों को माइंडसेट बदलने की जरूरत

चीन के फॉरेन मिनिस्टर वांग यी ने कहा- दोनों देशों को माइंडसेट बदलने की जरूरत है। एक दूसरे को राइवल या खतरा ना समझें। ये भी ध्यान रखना चाहिए कि दोनों देशों के बीच जो मतभेद हैं वो कही बेकाबू हालात में ना बदल जाएं। यी का बयान ब्रिक्स समिट के दौरान नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद आया है। हालांकि, उन्होंने माना कि हाल के कुछ महीनों में दोनों देशों के रिश्ते कुछ कमजोर हुए हैं और इसकी वजहें भी जाहिर हैं।

डोकलाम का जिक्र नहीं

यी ने अपने बयान में डोकलाम विवाद का जिक्र नहीं किया। सिक्किम के ट्राइजंक्शन एरिया डोकलाम में भारत और चीन के सैनिक 73 दिनों तक आमने-सामने रहे थे। वांग ने कहा- हमें उस रास्ते पर आगे बढ़ने की कोशिश करनी चाहिए जो दोनों नेताओं ने तय किया है। बाइलेटरल रिलेशन सही रास्ते पर होने चाहिए। इनको पटरी से नहीं उतरना चाहिए। ऐसा रास्ता खोजना चाहिए जिसमें दोनों को फायदा हो। एक-दूसरे को खतरा नहीं मानना चाहिए। यी के मुताबिक- पंचशील सिद्धांत को फॉलो किया जाना चाहिए और इसी के जरिए आपसी विवादों को हल करना चाहिए।

कार्रवाई से नाराज फर्रुखाबाद में डॉक्टरों ने दिये सामूहिक इस्तीफे

फर्रुखाबाद। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ की बुधवार को हुई बैठक के बाद सरकारी डॉक्टरों ने सीएमओ और सीएमएस के तबादले समेत डॉक्टरों के खिलाफ एफआइआर के विरोध में संघ के जिलाध्यक्ष को इस्तीफे सौंप दिए। डॉक्टरों ने गुरुवार से काली-पट्टी बांध कर काम करने का भी निर्णय लिया है। लोहिया अस्पताल में ऑक्सीजन व समुचित दवाएं न दिए जाने से 49 शिशुओं की मौत के मामले में तत्कालीन डीएम रविंद्र कुमार ने रविवार को सीएमओ, सीएमएस और अन्य चिकित्सकों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करा दी थी। डीएम की रिपोर्ट के बाद शासन की ओर से सीएमओ और सीएमएस का तबादला कर दिया गया था। हालांकि

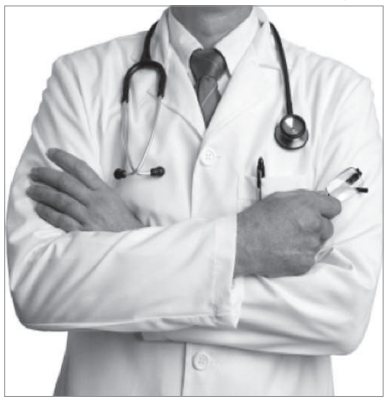

मंगलवार को निरीक्षण के बाद स्वास्थ्य निदेशक ने डॉक्टरों को क्लीन चिट दे दी थी। इसके बावजूद डॉक्टरों में रोष है। बुधवार को बैठक के दौरान डॉक्टरों ने एफआइआर और सीएमओ, सीएमएस के तबादले वापस लिए जाने की मांग की। जिलाध्यक्ष को इस बात के लिए अधिकृत किया गया कि कोई सम्मानजनक हल न निकलने पर वे डॉक्टरों का त्यागपत्र शासन को भेज दें। जिलाध्यक्ष डा. वीके दुबे ने बताया कि स्वास्थ्य निदेशक ने एफआइआर निरस्त होने की विधिक प्रक्रिया पूर्ण होने के लिए दो सप्ताह का समय दिए जाने को कहा था। इसके चलते 22 सितंबर तक सभी डॉक्टर काली पट्टी बांध कर काम करेंगे।

पैसे नहीं मिलने पर युवक मां सहित दो भाइयों पर फेंका तेजाब

पटना। बिहार के वैशाली जिले बिदुपुर थाना क्षेत्र के मथुरा गांव में पैसे नहीं देने पर पुत्र ने अपनी मां की पिटाई कर दी। बचाने आए छोटे दो भाईयों को भी बुरी तरह पीटा। इससे भी मन नहीं भरा तो दोनों पर तेजाब डाल दिया। तेजाब हमले में मां-बेटा जख्मी हो गए हैं। तीनों का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। सदर अस्पताल में इलाज करा रही हीरा देवी ने बताया कि पुत्र संतोष और उसकी पत्नी प्रियंका पैसे की मांग कर रहे थे। पैसे देने पर पत्नी के साथ पुत्र संतोष उसे मारने लगा। उसकी चीख सुनकर छोटा बेटा आनंद और रमेश बचाने आया। पति-पत्नी मिलकर रमेश और आनंद को मारने लगे। उसके साथ दोनों बेटे उसकी

मार सहते रहे। इससे भी मन भरा तो कहीं छुपाकर रखे बोतल उठाकर ले आया। वे लोग नहीं समझ पाए कि वह क्या करने वाला है। अचानक बोतल खोलकर उन तीनों पर उड़ेल दिया। तेजाब से उन तीनों को झुलसा दिया। किसी तरह उस जालिम से जान छुड़ाकर इलाज के लिए सदर अस्पताल आए।

यूपी में भगवा रंग में चलेंगी अंत्योदय सेवा की रोडवेज बसें

लखनऊ। सोशल मीडिया पर कई दिनों से अलग-अलग डिजाइन की भगवा बसें दौड़ रही थीं। कई अटकलें भी लग रही थीं। बुधवार को परिवहन निगम ने इस पर विराम लगाते हुए दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय सेवा के तहत संचालित होने वाली भगवा बसों का डिजाइन फाइनल कर दिया। पहले चरण में ऐसी 50 बसें चलाई जाएंगी। परिवहन निगम के अधिकारियों ने बताया कि यह बस सेवा इसी महीने शुरू की जानी है। पितृ पक्ष के बाद और 25 सितंबर से पहले इसकी तारीख तय करने पर विचार किया जा रहा है। बुधवार को शासन में परिवहन विभाग की बैठक में बस के स्वरूप को अंतिम आकार दिया गया। निगम के अधिकारियों ने बताया कि इन बसों का रूट भी जल्द ही तय कर लिया जाएगा। हालांकि पहले भी

सपा सरकार में परिवहन निगम ने ग्रामीणों और गरीबों के लिए लोहिया ग्रामीण बस सेवा शुरू की थी। साधारण किराए की बसों के मुकाबले लोहिया ग्रामीण सेवा की बसों में किराया 20 फीसद कम रखा गया था। अब इसी तर्ज पर पं. दीनदयाल उपाध्याय के नाम से अंत्योदय सेवा शुरू करने की तैयारी कर ली गई है। बताया जा रहा है कि लोहिया ग्रामीण सेवा की ही तरह अंत्योदय सेवा में भी यात्रियों को रियायत देने पर विचार किया जा रहा है।

बेटे की हत्या की गवाही देने जा रहे पिता की हत्या, बेटी ने दी चिता को आग

पटना। दो साल पहले बेटे की हुई हत्या के मामले के गवाह रिटायर्ड टीचर धनिक प्रसाद की कोर्ट में गवाही होने से कुछ घंटे पूर्व बाइक सवार अपराधियों ने ताबड़तोड़ गोली मार कर हत्या कर दी और आराम से भाग निकले। घटना अथमलगोला थाना एरिया के जमालपुर गांव की है। मृतक मोकामा के रामपुर डुमरा गांव के रहने वाले थे। बताया जा रहा है बेटे की हत्या के बाद वे जमालपुर गांव स्थित अपनी ससुराल में रह रहे थे। मृतक की पत्नी मंजूलता सिन्हा के मुताबिक, मृतक सुबह घर से खेत की ओर निकले थे। इसी बीच पूर्व से घात लगाए अपराधियों ने उनपर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। उन्हें चार गोलियां मारी गईं, जिससे मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी एनएच 31 के जरिए बाढ़ की ओर फरार हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस के हाथ कुछ भी नहीं लगा। धनिक प्रसाद के बड़े बेटे पंकज कुमार की कथित जमीनी विवाद में बदमाशों ने करीब दो साल पूर्व 2015 में गोलीमार कर हत्या कर दी थी। जिसमें कई लोगों को नामजद किया गया था। मृतक की पत्नी मंजूलता सिन्हा ने बताया कि बेटे की हत्या के बाद पूरा परिवार दबाव में था। भय के कारण पूरा परिवार पटना के गर्दनीबाग में रह रहा था। वे कभी-कभार जमालपुर गांव आकर रहते थे। बेटे की हत्या के केस में धनिक प्रसाद और बेटे पंकज की पत्नी सुलोचना गवाह थे। बुधवार को बाढ़ कोर्ट में गवाही होनी थी। इससे पहले यह वारदात हो गई। धनिक प्रसाद की फैमिली में उनकी चार बेटियों दो बेटों में तीन बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि बड़े पुत्र पंकज की हत्या बदमाशों ने पहले ही कर दी है। वहीं छोटा बेटा कहीं बाहर रहकर पढ़ाई कर रहा है, जबकि छोटी बेटी मोनी अपने माता-पिता के साथ रहती थी। वारदात के बाद छोटे बेटे के आने में देरी होने के कारण छोटी बेटी मोनी ने बाढ़ के उमानाथ श्मशान घाट पर पिता को मुखाग्नि दी।

पार्टनर के साथ घूमने के लिए बेस्ट है ये रोमांटिक और खूबसूरत जगहें

अक्सर पार्टनर के साथ हॉलीडे प्लान करते समय आप को समझ नहीं आता कि कौन से महीने में जाएं कि आपको गर्मी का सामना न करना पड़े। आज हम आपको ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहें है जहां पर पार्टनर के साथ घूमने के लिए आपको सही टाइम के आने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। यहां पर आप किसी भी महीने में अपने पार्टनर के साथ घूमने का मजा ले सकते है।

1. ऑस्ट्रेलिया

इस आइसलैंड में हर महीने ठंड का मौसम होता है। समुद्र के बीचों-बीच बने इस आइसलैंड में दिन में भी तापमान अधिक होता है। इस आसलैंड के अलावा ऑस्ट्रेलिया में घूमने के लिए और बी बहुत सी जगहें है। इसके अलावा यहां के होटलों से भी आप समुद्र का मजा ले सकते है।

2. स्पेनं

यह खुबसूरत आइसलैंड स्पेन का सबसे मशहूर आइसलैंड है। रोमांटिक छुट्टियां के लिए जगहें आपके लिए एकदम बेस्ट है। यहां की खुबसूरती देख कर आपका मन यहां से जाने को नहीं करेगा।

3. फ्रांस

इस रंग-बिरंगे शहर में आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक बोट राइडिंग पर जा सकते है। रात के समय यह शहर अलग-अलग तरह की रोशनी से जगमगाने लगता है। इसके अलावा

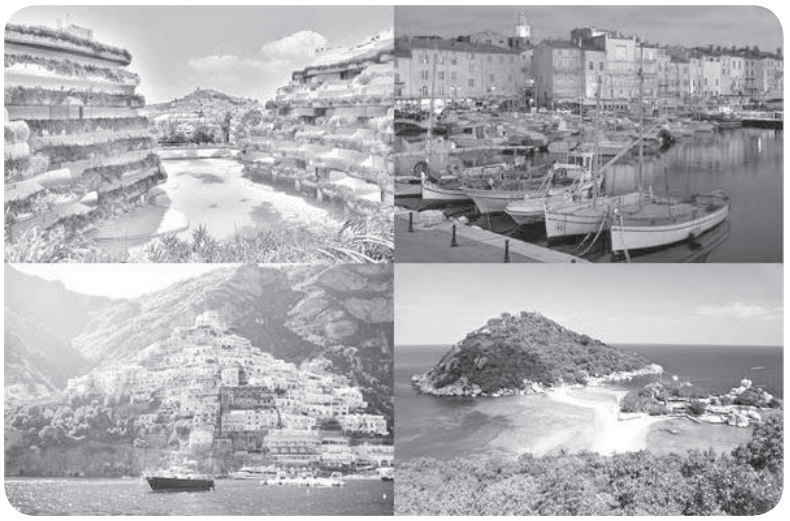

यहां पर आप बहुत से जैसमीन और पुराने कोबल्ड ट्री को देख सकते है।

4. थाईलैंड

कोह सॅमुई पार्टनर के साथ घूमने के लिए सबसे सही जगह है। यहां के खुबसूरत होटलों में आप लजीज खाने का मजा ले सकते है। पानी से घिरे इस ऑयलैंड के आप-पास आप बहुत से छोटे-छोटे टापूओं को देख सकते है।

5. इटली

पहाड़ो ओर समुद्र के पास में बने इस छोटे शहर में आप अपने रोमांटिक हॉलीडे को कभी भी नहीं भूलोगे। यहां पर आप अपने हॉलीडे शांति के साथ बिता सकते है। इसके अलावा अपने पार्टनर के साथ आप यहां पर समुद्र के दृश्यों और कोकटेल का मजा ले सकते है।

6. ग्रीस

ग्रीस दुनिया के सबसे आकर्षक द्वीपों में से एक है। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ फोटो खिचने का मजा भी ले सकते है। वीकेंड के लिए यहां पर दूर-दूर से कपल्स आते है। यहां के खुबसूरत नजीरों के साथ आपका सफर यादगार बन जाएगा।

15 हजार किलो सोने से बना है यह मंदिर

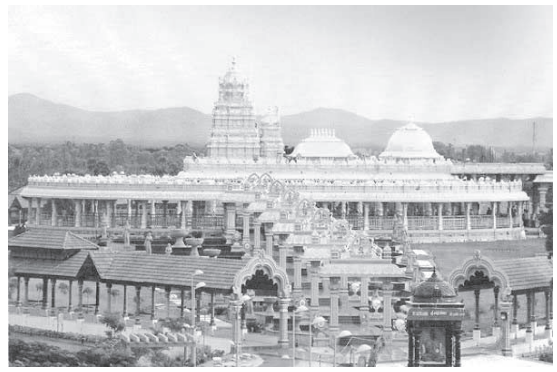

लोगों ने मंदिर तो बहुत देखें होंगे लेकिन सोने से बने इस मंदिर का नजारा ही कुछ अलग है। यह मंदिर तमिलनाडु के वेल्लोर जिले में है और इसे सोने की नगरी भी कहा जाता है क्योंकि इसे बनाने में करीब 15 हजार किलो सोने का इस्तेमाल हुआ है।

महालक्ष्मी माता का यह मंदिर लगभग 300 करोड़ में बना है। 100 एकड़ में फैले इस मंदिर के चारों तरफ हरियाली है और इसके बाहर एक सरोवर है जहां दुनिया की मुख्य नदियों का पानी आता है जिस वजह से इसे तीर्थम सरोवर भी कहा जाता है।

रात के समय यह मंदिर एक दम स्वर्ग जैसा लगता है और अपनी इसी भव्यता के कारण यह दुनिया भर में मशहूर है। इस मंदिर का निर्माण 2007 में हुआ था और तब से लेकर अब तक इस मंदिर की लोकप्रियता बढ़ती ही जा रही है। रोजाना लगभग लाखों श्रद्धालु यहां आकर दर्शन करते हैं।

इस मंदिर की दीवारों से लेकर दरवाजों तक सभी सोने के बने हैं और मंदिर के द्वार पर खड़ी एक अप्सरा आने वाले लोगों का स्वागत करती है जो ऊपर से लेकर नीचे तक सोने के गहनों से सजी होती है। ऐसे में जब भी कभी तमिलनाडु जाएं तो इस मंदिर में जरूर जाएं।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
व्ययवृद्धि होगी। तनाव रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आलस्य में वृद्धि होगी।

सिंह
यात्रा में सावधानी रखें। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भागदौड़ रहेगी।

धनु
विरोधी सक्रिय रहेंगे। विवाद से क्लेश होगा। दुःखद समाचार मिल सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। मित्रों से मेलजोल रहेगा।

वृष
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धनार्जन होगा। दौड़धूप रहेगी। व्यापार, रोजगार की चिंता रहेगी।

कन्या
बेचैनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। धन लाभ के अवसर मिलेंगे। आलस्य नहीं करें।

मकर
प्रयास सफल रहेंगे। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। तनाव रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। आय पूर्ववत होगी।

मिथुन
नई योजना बनेगी। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्य बनेंगे। शत्रु सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कस्मिक धनलाभ का योग है।

तुला
भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त होंगे। वस्तुएं संभालकर रखें। परिवार में हर्ष वृद्धि होगी।

कुंभ
शुभ समाचार मिलेंगे। सम्मान बना रहेगा। लाभ होगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। शरीर शिथिल रहेगा। व्यवसाय में नया अनुबंध होगा।

कर्क
धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट-कचहरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवाद से बचें।

वृश्चिक
पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कुबुद्धि हावी रहेगी।

मीन
परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

सलवार सूट में लड़ी WWE की कुश्ती

डब्ल्यूडब्ल्यूई में अक्सर विदेशी पहलवानों को लड़ते देखने वाले दर्शकों के लिए वह मौका बेहद खास था, जब रिंग में उन्हें एक भारतीय महिला सलवार सूट में कुश्ती करती दिखाई दी। इस रिंग में उतरीं यह महिला कविता देवी है, जोकि भारतीय रैसलर द ग्रेट खली की शिष्या हैं।

कविता जब सूट-सलवार और चुन्नी पहनकर रिंग में उतरी तो सब देखते रह गए। हरियाणा की ये लड़की इस रिंग में उतरने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। उनका मुकाबला 32 विमेन के इस एलिमिनेशन टूर्नामेंट में डकोटा काई के साथ हुआ था। रिंग में लड़ाई के दौरान कविता और डकोटा के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। लेकिन डकोटा की स्पीड और ताकत के सामने कविता ज्यादा देर तक टिक नहीं पाई और पहले राउंड में ही बाहर हो गई। बावजूद इसके उन्होंने

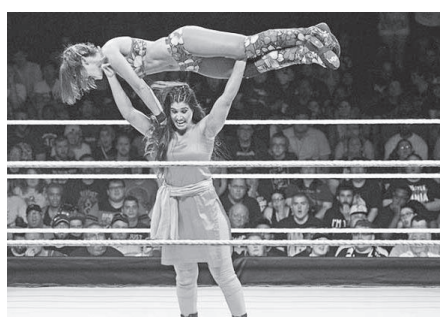

लोगों को एक मजबूत मैसेज दिया कि किसी को उसके कपड़ों से नहीं आंकना चाहिए। उनके कुश्ती कौशल ने भी बहुत से प्रशंसकों का दिल जीत लिया।

एनिमल्स ने फनी अंदाज में तोड़े नियम, ऐसे उड़ाया खुद पर BAN का मजाक

एक पॉपुलर लतीफा है। एक शिकारी जंगल में शिकार के लिए निकला था। लेकिन उस जंगल में शिकार पर प्रतिबंध लगा था। अचानक शेर सामने आ गया। उसे देखकर शिकारी की सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई। उसके हाथ से बंदूक छूट गई। शेर उसे मारने के लिए आगे बढ़ा, तो शिकारी ने उसे पास में लगा वह बोर्ड दिखाया, जिस पर लिखा था- शिकार करना मना है। शेर बोला- मैं तो अनपढ़ हूं बादशाहो...

-जाहिर है, हम इंसान कोई भी बोर्ड लगा दें, पशु-पक्षियों को उनसे क्या मतलब! वो तो जहां बैठना है, बैठेंगे और जहां जाना है, जाएंगे ही।

-उनकी इन हरकतों के चलते कई बार फनी सिचुएशन पैदा हो जाती है। जैसे है- नो डॉग्स अलाउड। लेकिन वह डॉग ठीक 'नो' के ऊपर बैठा हुआ है और सेंटेंस दिख रहा है- 'डॉग्स अलाउड।'

-आगे प्रतिबंधों को तोड़ते, जो लिखा गया है उसका उल्टा करते पशु-पक्षियों की और भी मजेदार बातें हैं। वे कहते हैं कि हमें जो करना था, तुम्हारे मना करने के बावजूद हमने कर लिया। अब तुम जो कर सकते हो कर लो।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पपीता ही नहीं इसकी पत्तियां भी है सेहत के लिए फायदेमंद

पपीता खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है लेकिन शायद आपको यह नहीं पता कि पपीता खाना जितना हेल्दी होता है उतना ही पीते के पत्तों का रश पीना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। विटामिन अ, इ, उ, ऊ और ए और कैलशियम से भरपूर पपीते के पत्तों का रस पीने से आप ब्लड शुगर तथा आंतों में बसे परजीवियों, कैंसर, दिल की बीमारी और डेंगू को दूर कर सकते है। इसके अलावा प्लेटलेट्स के रोगी का इसका रस पीलाने सेस वो बढ़ने से पहले ही खत्म हो जाता है।

1. कैंसर से बचाएं

इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण शरीर में सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर, अग्नाशय, जिगर और फेफड़ों के कैंसर को होने से रोकते हैं। रोजाना इसका सेवन करने से आपको इन बीमारियों का खतरा नहीं रहता है।

2. इम्यूनिटी बढाए

पपीते के पत्तों में मौजूद विरोधी गुण इम्यूनिटी को बढाते है। इससे शरीर को सर्दी और जुखाम और डेंगू से लड़ने में मदद मिलती है। इस रस से शरीर मेंखून में वाइट ब्लड सेल्स और प्लेटलेट्स को विकास होता है।

3. डेंगू में रामबाण

डैंगू होने पर पपीते के पत्तियों का रस पीने से इससे बहुत लाभ मिलता है। इससे गिरते हुए प्लेटलेट को बढ़ाने, खून के थक्के जमने तथा जिगर की क्षति को में मदद मिलती है, जोकि डेंगू वायरस के कारण हो जाता है।

4. मुंहासे दूर करे

बीमारियों के साथ-साथ इसकी पत्तियों के बने पेस्ट को चेहरे पर लगाने से दाग-धब्बे, मुंहासे और पिंपल्स दूर हो जाते है। इसकी पत्तियों को पीस कर उसका पेस्ट बना कर 15 मिनट तक चेहरे पर लगा लें। इससे बाद ठंडे पानी से चेहरे को धे लें।

5. पेट की भूंख बढाए

इसके पत्तों से बनी चाय को पीने से आपकी भूख न लगने की समस्यां दूर हो जाएगी। रोजाना इसके सेवन से आपको ठीक से भीख लगने लगेगी और आपकी कमजोरी भी दूर हो जाएगी।

6. पीरियड्स के दर्द से छुटकारा

पीरियड्स के दर्द को दूर करने के लिए इसके रस में इमली, नमक और 1 गिलास पानी के साथ मिक्स कर लें। अब इसे अच्छी तरह उबालने के बाद ठंडा करके पी लें। इस काढ़े से आपको छोड़ी ही देर में आराम मिल जाएगा।

7. एंटी मलेरिया गुण

पपीते की पत्तियों का रस मलेरिया के लक्षणों को बढ़ने से रोकता है। इसकी पत्तियों में 50 एक्टिव गुण होते है जो फंगस, कीड़े, परजीवी और कैंसर कोशिकाओं के विभिन्न अन्य रूपों को बढने से रोकती हैं। इसके अलावा इसकी पत्तियों के दो चम्मच रस रोजाना पीने से शरीर में खून की कमी पूरी हो जाएगी।

छोटी-सी विक्स की डिब्बी करेगी हैल्थ और ब्यूटी की कई परेशानियां दूर

नाक बंद, सर्दी-जुखाम होने पर अक्सर विक्स का इस्तेमाल किया जाता है। घर में ऐसी बहुत-सी चीजें होती हैं, जिनके सिर्फ एक इस्तेमाल के बारे में हमें पता होता है लेकिन सिरके की तरह विक्स वेपोरब को ब्यूटी, हैल्थ और इंटीरियर से जुड़ी समस्याओं के लिए भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए जानें विक्स को इस्तेमाल करने के स्मार्ट तरीके।

1. माइग्रेन दर्द

सिर मे एक तरफ दर्द यानि माइग्रेन दर्द से राहत पाने के लिए विक्स से माथे की हल्के हाथों से मसाज करें। दर्द मिनटों में ठीक हो जाएगा।

2. मसल्स पेन

सारा दिन लगातार काम करने से या फिर कई बार भारी चीजें उठाने से मसल्स में खींचाव आ जाता है। इससे आराम पाने के लिए दर्द वाली जगह पर विक्स लगाकर तौलिए लपेट लें। इससे दर्द कम हो जाएगा।

3. नाखूनों की फंगस

शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण नाखूनों पर फंगस आनी शुरू हो जाती है। इस कालेपन की वजह से कई बार शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ता है। इसके लिए विक्स सबसे अच्छा प्रॉडक्ट भी

है। रोजाना दिन में 2 बार विक्स से नाखूनों का मसाज करें। लगातार 10-15 दिन इसके इस्तेमाल से फर्क दिखाई देने लगता है।

4. फटी एडिया

लंहे समय से फटी एडियों से परेशान हैं तो अब एक बार इन पर विक्स भी लगा कर देखें। रोजाना रात को सोने से पहले एडियों पर विक्स लगातक जुराबें पहन लें। कुछ ही दिनों में पैर कोमल और मुलायम हो जाएंगे।

5. डैड स्किन करें एक्सफोलिएट

डैड स्किन हटाने के लिए पानी में थोड़ी सी विक्स मिलाएं और स्किन पर लगाएं। प्यूमिक स्टोन से डैड स्किन उतारें।

6. कीडे काटने से बचाए

थोड़ी सी विक्स को कपड़ों पर लगाने से मच्छर दूर भाग जाते हैं। इसके अलावा मच्छर काट ले तो पर थोडी सी विक्स लगा लें। खराश से जल्दी आराम मिलेगा।

7. दरवाजों पर पड़ी खरोंच

घर के पालतू जानवर अक्सर शरारत में दरवाजों पर अपने पंजों से खरोंच लगा देते हैं। जिससे घर खराब से लगने लगता है। इसके लिए आप विक्स का बाखूबी इस्तेमाल कर सकते हैं। दरवाजों पर विक्स लगा दें। इसकी खूशबू के कारण आपके पालतू जानवर दरवाजों के पास भी नहीं आएगे।

घर पर ही बनाएं ये ब्यूटी प्रोडक्ट

अक्सर किसी भी तरह की क्रीम खरीदते वक्त आपको डर लगता है कि उससे आपकी स्किन को कोई नुकसान न हो जाएं। ऐसे में इस तरह के मंहगें प्रोडक्ट खरीदने की बजाएं आप उन्हें घर पर भी बना सकती है। प्रकृतिक तरीके से बने इन प्रोडक्ट से आपकी स्किन को कोई नुकसान भी नहीं होगा और आपके पैसे भी बच जाएंगे।

1. लिप बाम

घर पर लिप बाम बनाने के लिए आप कैलेंडुला, विटामिन ई तेल, नारियल और लैवेंडर के तेल में 1 चम्मच बादाम को अच्छी तरह पीस कर डाल दें। अब आप इसे लिप बाम की तरह इस्तेमाल कर सकते है।

2. फेस स्क्रब

प्रकृतिक फेस स्क्रब बनाने के लिए 1/2 नींबू का रस, 1/2 कप चीनी, 1 टेबलस्पून आलिव ऑयल और 1 टेबलस्पून शहद को अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब इसे स्क्र की तरह 15 मिनट तक चेहरे पर रब करें। इस नेचुरल स्क्रब का इस्तेमाल करने से आपको कोई नुकसान भी नहीं होगा और आपको इंस्टेंट निखार भी मिल जाएगा।

3. फेस मास्क

घरेलू फेस मास्क बनाने के लिए आप आधा कप दही में 1 टीस्पून शहद, कुछ बूंदे लैवेंडर ऑयल और 1/3 टीस्पून पीसे हुए लैवेंडर फूलों को डाल कर चेहरे पर 10 मिनट के लगा लें। इसके बाद ठंडे पानी से चेहरा धों लें।

4. सनस्क्रीन लोशन

सनस्क्रीन लोशन बनाने के लिए 2 कप पानी को उबलने के रख दें। पानी को उबालने के बाद इसमें 4 टीस्पून मक्खन, 4 टीस्पून ऑक्साइड पाउडर, 2 टीस्पून लैवेंडर ऑयल और 2 टीस्पून नारियल का तेल मिक्स करें। अब इसे ठंडा करने के लिए फ्रिज में रख दें। बाहर निकलने से पहले इसका इस्तेमाल करने से आप धूप से बचे रहेंगे।

5. शैम्पू

एक खाली बोतल या गिलास में 4 oz पानी डाल कर उसमें 4 oz लिक्वट कैस्ट्रॉल साबुन डाल कर अच्छी तरह से घोल लें। अब आप इसमें रोज ऑयल या लैवेंडर ऑयल डाल कर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब आप इसे शैम्पू की तरह इस्तेमाल कर सकते है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, शुक्रवार
8 सितंबर, 2017

ऑस्ट्रेलिया को हराकर टीम इंडिया बन सकती है नंबर वन

पहला मैच 17 सितंबर को

नई दिल्ली। श्रीलंका को हराने के बाद अब टीम इंडिया घरेलू सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत में पांच वन डे और तीन टी-20 मैच खेलेगी। स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम काफी मजबूत है। वह विश्व में दूसरे नंबर की टीम है। दक्षिण अफ्रीका पहले नंबर पर काबिज है। टीम इंडिया फिलहाल रैंकिंग में तीसरे नंबर पर चल रही है। अगर टीम इंडिया वन डे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को हरा देती है तो वह रैंकिंग में नंबर वन हो सकती है। अभी टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया से महज कुछ दशमलव अंकों से ही पीछे है। श्रीलंका में विराट कोहली की लीडरशिप में टीम इंडिया ने श्रीलंका को करारी शिकस्त दी है। लिहाजा उम्मीद है कि आगामी सीरीज में कंगारुओं को हराकर टीम इंडिया नंबर वन बन सकती है। ऑस्ट्रेलियाई टीम का भारत दौरा 27 दिनों का है। पहला वन डे चेन्नई में 17 सितंबर को खेला जाएगा।

21 सितंबर को कोलकाता में दूसरा तथा 24 सितंबर को इंदौर में तीसरा वन डे खेला जाएगा। 28 सितंबर को चौथा वन डे बेंगलुरू में होगा। सीरीज का पांचवां और अंतिम वन डे नागपुर में 1 अक्टूबर को खेला जाएगा। टी-20 सीरीज का पहला मैच 7 अक्टूबर को रांची में खेला जाएगा। 10 अक्टूबर को दूसरा मैच गुवाहाटी में होगा। सीरीज का अंतिम मैच 13 अक्टूबर को हैदराबाद में आयोजित होगा।

लखनऊ को मिला देश का दूसरा 'ईडन गार्डन'

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर में इकाना इंटरनेशनल स्टेडियम दलीप ट्रॉफी के पहले मैच की मेजबानी करने के लिए तैयार है। लखनऊ 12 साल बाद दलीप ट्रॉफी की मेजबानी कर रहा है। इंडिया ग्रीन और इंडिया ब्लू के बीच 7 से 10 सितंबर तक होने वाले मुकाबले में इंडिया ग्रीन का कप्तानी पार्थिव पटेल कर रहे हैं जबकि इंडिया रेड के कप्तान अभिनव मुकुंद हैं। उधर अभिनव को डेंगू होने के कारण टीम की कप्तानी विकेटकीपर दिनेश कार्तिक संभालेंगे। बात स्टेडियम की करें तो उद्घाटन के साथ ही ये देश का दूसरे सबसे बड़े स्टेडियम में शुमार हो गया है। 50 हजार लोगों की बैठने की क्षमता वाला ये इकाना स्टेडियम कोलकाता के इडेन गार्डेन के बाद दूसरा सबसे बड़ा स्टेडियम है। 400 करोड़ रुपए की लगात से ये अंतर्राष्ट्रीय स्टेडयम 15 एकड़ मे बना है। स्टेडियम में हिंदुस्तान के सबसे बेहतरीन ड्रेसिंग रूम को बनाया गया है। इस स्टेडियम का निर्माण 3 साल से भी कम समय में पूरा हुआ है। खास बात ये है कि लखनऊ स्टेडियम को बनाने में एक भी पिलर का इस्तेमाल नहीं किया गया है। स्टेडियम में खिलाड़ियों के ड्रेसिंग रूम देखते ही बनता है। ये फाइव स्टार होटल की तर्ज पर बनाया गया है। जहां खिलाड़ियों के लिए हर सुविधा उपलब्ध है। स्टेडियम के बारे में एकाना स्पोर्ट्स सिटी के सीएमडी उदय सिन्हा ने बताया कि इस स्टेडियम में जो एलईडी लगी है, वह देश में सबसे आधुनिक और सबसे बड़ी है। यही नहीं स्टेडियम आने वाले लोगों के लिए पार्किंग स्पेस भी काफी बड़ा दिया गया है। इसमें 2500 कारों की पार्क की जा सकती है। उदय सिन्हा ने बताया कि इस स्टेडियम में दो तरह की मिट्टी की क्रिकेट पिच बनाई गई है। इनमें चार लाल मिट्टी की हैं, जबकि एक काली मिट्टी की पिच है। स्टेडियम की आउट फील्ड काफी तेज रहेगी क्योंकि पिच और बाउंड्री के सरफेस में लगभग दो फिट का अंतर है।

फीफा अंडर-17 वर्ल्डकप देश में फुटबॉल का माहौल बदलकर रख देगा: बाइचुंग भूटिया

नई दिल्ली। फुटबॉल का बड़ा आयोजन अंडर-17 फीफा वर्ल्डकप आते-आते देश में इस खेल को लेकर 'बुखार' बढ़ने लगा है। टूर्नामेंट को अभी करीब एक महीना है लेकिन भारत के महान फुटबॉल खिलाड़ी बाइचुंग भूटिया को लगता है कि आगामी टूर्नामेंट ने अपना प्रभाव पहले ही दिखाना शुरू कर दिया है क्योंकि देश में कई अकादमियों और ग्रुप क्लब खुलने शुरू हो गये हैं। पूर्व भारतीय फुटबॉल कप्तान भूटिया ने देश के लिये 100 से ज्यादा मैच खेलने के बाद 2011 में संन्यास ले लिया था। वे फुटबॉल अधिकारियों और विशेषज्ञों के इस

विचार से सहमत थे कि छह से 28 अक्टूबर को होने वाला यह टूर्नामेंट भारत में फुटबॉल का परिदृश्य बदल देगा। भूटिया ने 1995 से 2011 तक भारत के लिये खेलने वाले भूटिया ने कहा, इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से देश को फुटबॉल की लोकप्रियता बढ़ाने की मुहिम में मदद मिलेगी। अगर खिलाड़ी टूर्नामेंट में अच्छे परिणाम हासिल करते हैं तो यह देश और खिलाड़ियों के लिये भविष्य में और बेहतर करने के लिये प्रेरणादायी साबित होगा। एक दशक से ज्यादा समय तक भारतीय फुटबॉल के पोस्टर बॉय भूटिया ने कहा कि अंडर-17 विश्व कप से देश में फुटबॉल के बुनियादी ढांचे में सुधार हुआ है और पिछले दो वर्षों में कईअकादमियां भी शुरू हो गई हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की तकनीकी समित के पूर्व चेयरमैन रह चुके भूटिया ने कहा, आयोजन के हिसाब से, मुझे यह अंडर-17 वर्ल्डकप सफल होता दिख रहा है। मुझे लगता है कि यह पहले ही सफल हो गया है।

फेडरर को पोत्रो से मिली करारी हार, प्रशंसकों का सपना टूटा

न्यूयार्क। जुआन मार्टिन डेल पोत्रो ने रोजर फेडरर के स्वप्निल अभियान पर ब्रेक लगाते हुये यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में नंबर वन राफेल नडाल के साथ टिकट बुक कर लिया है। वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लेम में बिग फोर के दो बड़े चेहरे नडाल और फेडरर के बीच पहले से ही प्रशंसकों को सेमीफाइनल भिड़ंत का इंतजार था। लेकिन 24वीं वरीय खिलाड़ी अर्जेंटीना के पोत्रो ने सारे समीकरण ही बदलकर रख दिये और वर्ष 2009 में फेडरर को पीटकर अपने करियर का एकमात्र ग्रैंड स्लेम जीतने के बाद एक बार फ्लशिंग मिडोका में उसी प्रदर्शन को दोहरा दिया। पोत्रो ने फेडरर को 7-5 3-6 7-6 6-4 से तीन

घंटे के भीतर हराकर क्वार्टरफाइनल मुकाबला जीता और अब अगले दौर में उनके सामने शीर्ष वरीय नडाल की चुनौती रहेगी जिन्होंने रूस के युवा खिलाड़ी आंद्रे रूबलेव को लगातार सेटों में लगभग एकतरफा अंदाका में 6-1 6-2 6-2 से हराया। हालांकि फेडरर और नडाल के बीच सेमीफाइनल भिड़ंत का बेसब्री से इंतकार कर रहे प्रशंसकों को इस परिणाम से कुछ निराशा जरूर हाथ लगी है। दोनों खिलाड़ियों के बीच करियर में 37 बार भिड़ंत हुई है लेकिन वे कभी न्यूयार्क में आमने सामने नहीं आये। नडाल के अपना क्वार्टरफाइनल मैच जीतने के बाद सभी की निगाहें 19 बार के ग्रैंड स्लेम विजेता पर लगी थीं लेकिन पोत्रो ने इसे बदल दिया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कृति बनीं ब्रांड एंबेसडर

बॉलीवुड एक्ट्रैस कृति सेनन एजुकेशन न्यूजीलैंड की पहली भारतीय ब्रांड एंबेसडर बनीं है।एक स्टार स्टड प्रैस कॉन्फ्रेंस में, एजुकेशन न्यूजीलैंड ने आज मुंबई में अपना पहला भारतीय ब्रांड एंबेसडर घोषित किया। अभिनेत्री कृति सेनन अब भारत में एजुकेशन न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व करेंगी। बता दें कि कृति हाल ही मे फिल्म बरेली की बर्फी में नजर आई। इस फिल्म में उनके साथ एक्टर आयुष्मन खुराना भी थे।

सलमान की गर्लफ्रैंड लूलिया...

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान की गर्लफ्रैंड लूलिया वंतूर अक्सर सोशल साइट पर अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उनकी कुछ तस्वीरें सामने आई हैं जो कि काफी वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों को देखकर ऐसे लग रहा है कि लूलिया बैंड स्टैंड बीच साइट पर कॉफी का लुफ्त उठाने पहुंची हैं। इस दौरान वह ब्लैक केप के साथ लॉग शूज पहने हुए नजर आ रहीं हैं। वह इस दौरान बीच के नजारे को एंन्जॉय करती नजर आ रही हैं। इससे पहले लूलिया को सलमान की बहन अर्पिता के घर गणपति विसर्जन के दौरान काफी डांस करते हुए देखा गया था। बता दें कि पिछले कई महीनों से सलमान और लूलिया की शादी और ब्रेकअप की खबरें आ रही हैं लेकिन दोनों ने इसके बारे में कुछ भी कहने से इन्कार कर दिया। वैसे तो लोगों के बीच सलमान और लूलिया की जोड़ी को काफी पसंद किया जाता है।

प्रियंका का बोल्ड अंदाज

सितंबर का महीना अपने सुहाने मौसम की वजह और तमाम बड़े त्योहार आने के कारण काफी खूबसूरत होता है। ऐसे में आपकी पसंदीदा मैगजीन पर आपकी पसंदीदा एक्ट्रैस का बेहतरीन पोज वाला कवर फोटो देखने को मिल जाए तो मैगजीन पूरे महीने अपने मेज पर रखी ही रहेगी। दरअसल इस बार बॉलीवुड एक्ट्रैस प्रियंका चोपड़ा ने इस महीने को और भी खूबसूरत कर दिया है। हॉलीवुड में अपना कदम दमा चुकी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा वोग मैगजीन के कवर पेज पर नजर आने वाली हैं। इसके लिए प्रियंका ने बहुत ही हॉट फोटोशूट कराया है। प्रियंका की हॉट फोटोशूट की कुछ नई तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में प्रियंका का बोल्ड अंदाज देखा जा सकता है। प्रियंका इस तस्वीर में हॉल्टर नेक बिकिनी टॉप में नजर आ रही हैं।

करीना ने करवाया हॉट फोटोशूट

बॉलीवुड एक्ट्रैस करीना कपूर खान ने प्रैग्नेंसी के बाद ही कुछ महीनों में ही वेट कम कर लिया है और वो बेहद हॉट नजर आ रही है। यहीं हॉटनैस उनके नए फोटोशूट में देखने को मिल रहा है। हाल में ही करीना ने फिल्मफेयर मैगजीन के लिए फोटोशूट करवाया है। बता दें कि प्रैग्नेंसी के बाद मैगजीन कवर पेज के लिए बेबो का यह पहला फोटोशूट है। करीना कपूर इस शूट की तस्वीर में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। करीना ने फोटोशूट के लिए इस दिलकश अंदाज में पोज दिए हैं। खुले बाल और नशीली आंखें करीना कपूर के खूबसूरती में चार चांद लगा रहे हैं। पिंक गाउन में मैग्जीन के फोटोशूट के लिए पोज देती करीना कपूर ने अपने इस अंदाज से सबको को हैरान जरूर कर दिया है। उन्होंने स्मोकी आई मेकअप किया हुआ है जो उन्हें परफैक्ट लुक दे रहा था। आजकल बेबो अपनी आने वाली फिल्म वीर की वैडिंग की शूटिंग में बिजी है। शूटिंग के दौरान उनके साथ नन्हे नवाब तैमूर अली खान भी दिखाई देते है।